दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 160
मुरादाबाद
(Wednesday)
01 October 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

रक्षा मंत्री बोले- आज की चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी, एकीकरण से बढ़ेगा आत्मविश्वास

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि साइबर हमलों और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना में बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली जरूरी है।

उन्होंने तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और लॉजिस्टिक्स के एकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए लगातार संवाद आवश्यक है।रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है। वह दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

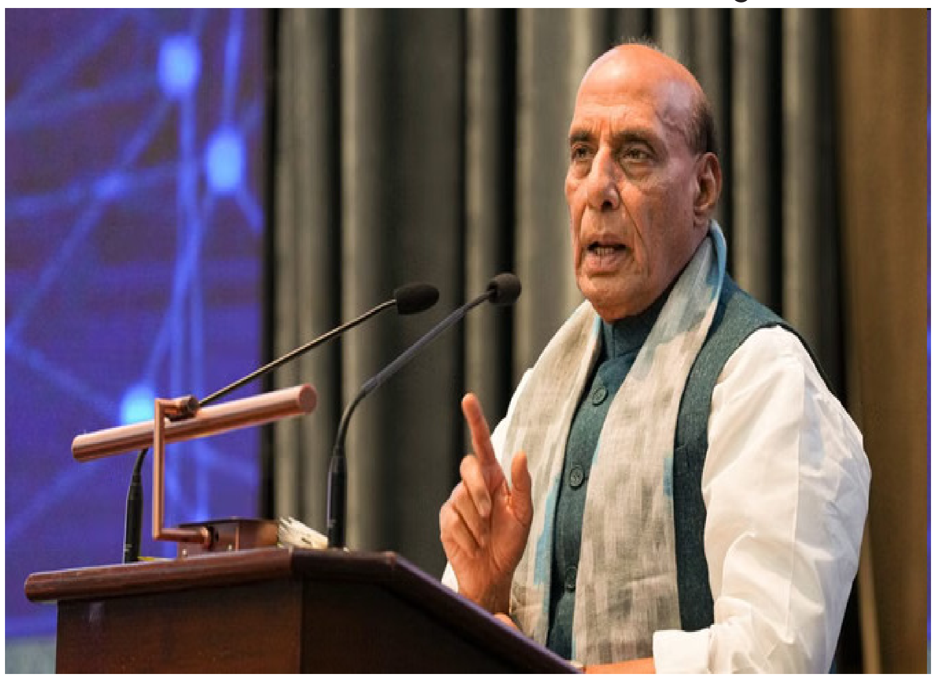

उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक-दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग-अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत प्रणाली से सेनाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे। उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो। उन्होंने कहा, इसके लिए हमें लगातार संवाद की जरूरत होगी। इस प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका बहुत अहम होगी। हर कदम पर यह स्पष्ट करना होगा कि यह सुधार क्यों जरूरी है। जब तक हर सेवा और हर कर्मचारी को %संयुक्तता% का महत्व समझ में नहीं आएगा, तब तक यह सफल नहीं हो सकता। हम दूसरे देशों के अच्छे अनुभवों से सीख सकते हैं, लेकिन हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। हमें अपनी जरूरतों के हिसाब से समाधान तैयार करना होगा।रक्षा मंत्री ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन अब अगला कदम त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स का एकीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसी डिजिटल प्रणाली बनानी चाहिए जो हर सेवा की जरूरतों का सम्मान करे और सभी के लिए जरूरी संसाधनों की स्थिति को साझा रूप से दिखा सके। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। संयुक्तता की ओर बढ़ना है। जब तीनों सेनाएं एक साथ आगे बढ़ेंगी, तभी हम बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना कर सकेंगे। राजनाथ सिंह ने देवी दुर्गा का उदाहरण देते हुए कहा, जब चुनौतियां बहुत बड़ी हों, तो एकता की ताकत अजेय बन जाती है। हमारी सेना ऑपरेशनल तैयारी कर रही है, वायुसेना और नौसेना भी इसी दिशा में काम कर रही हैं। लेकिन जैसे ही हम संयुक्त सेवा कमान की बात करते हैं, तो अगला कदम अखिल भारतीय त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स एकीकरण की दिशा में होना चाहिए।

भारत गंभीर दौर से गुजर रहा है, वाम दलों की एकता जरूरी, डी राजा बोले- देश को भाजपा राज से मुक्त कराएंगे

सीपीआई महासचिव डी. राजा ने भाजपा-आरएसएस पर निशाना साधा है, उन्होंने कहा कि जैसे हमने देश को ब्रिटिश राज से मुक्त कराया, वैसे ही इसे भाजपा राज से मुक्त कराएंगे। उन्होंने दोहराया कि भाजपा-आरएसएस संविधान की बुनियादी मूल्यों को खतरे में डाल रहे हैं और इस खतरे से निपटने के लिए विपक्ष को एकजुट होकर लड़ना होगा।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी राजा ने सोमवार को कहा कि भारत इस समय बेहद गंभीर दौर से गुजर रहा है। उन्होंने वाम दलों की एकता और विपक्षी इंडिया गठबंधन में आपसी भरोसे को मजबूत करने की अपील की, ताकि भाजपा को कड़ी चुनौती दी जा सके। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, भाजपा और आरएसएस ने राजनीतिक सत्ता पर कब्जा कर लिया है। वे चुनावी तानाशाही के जरिए हमारे संविधान, लोकतंत्र और संघीय ढांचे को गंभीर खतरे में डाल रहे हैं। मोदी सरकार देश को तानाशाही की ओर ले जा रही है। अगर ऐसा हुआ तो यह राष्ट्र के लिए बहुत बड़ी विपत्ति होगी, जिसकी चेतावनी पहले ही भीमराव अंबेडकर ने दी थी। देश को भाजपा राज से मुक्त कराएंगे डी. राजा ने कहा कि भाजपा-आरएसएस लोगों को धर्म के नाम पर ध्रुवीकृत कर रही है। उन्होंने कहा, %हमारे पार्टी कांग्रेस में यह तय हुआ कि हमें भाजपा और आरएसएस के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करना होगा। वाम दलों और कम्युनिस्ट दलों के बीच एकता आज की ऐतिहासिक जरूरत है। सीपीआई नेता ने दावा किया कि उनकी पार्टी सबसे पहले भारत की आजादी का नारा देने वाली पार्टी थी। उन्होंने कहा, हमने देश को ब्रिटिश राज से मुक्त कराया था, अब हम इसे भाजपा राज से मुक्त कराएंगे।' 'BJP-RSS के विकल्प के रूप में सामने आए इंडिया गठबंधन-इंडिया गठबंधन पर बोलते हुए डी. राजा ने कहा कि इस मंच का मकसद सिर्फ चुनाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, गठबंधन के दलों को एक-दूसरे पर भरोसा करना होगा। सिर्फ चुनाव के समय या सीट-बंटवारे पर चर्चा के लिए सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है। हमें लोगों की आजीविका से जुड़े आर्थिक मुद्दों पर भी ठोस एजेंडा तैयार करना होगा और भाजपा-आरएसएस के विकल्प के रूप में सामने आना होगा। सीट-बंटवारे को लेकर डी. राजा ने किया आगाह- उन्होंने विपक्षी दलों को चेतावनी दी कि अगर सीट-बंटवारे में आपसी सहमति नहीं बनी, तो हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे हालात दोबारा देखने को मिल सकते हैं। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर उन्होंने उम्मीद जताई कि सीपीआई और अन्य वाम दलों को उचित संख्या में सीटें मिलेंगी।

संक्षिप्त समाचार

PCB अध्यक्ष मोहसिन नकवी को हटाने की मांग तेज, भारत से हार के बाद पाकिस्तानी फैंस का भड़का गुस्सा

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के वरिष्ठ नेता मूनिस इलाही ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, अगर प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ में थोड़ी भी हिम्मत है तो उन्हें मोहसिन नकवी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। एशिया कप 2025 में भारत के हाथों लगातार तीसरी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को सोशल मीडिया पर तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान भारत से हार गया, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। यह घटना एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष होने के बावजूद उनके लिए शर्मनाक साबित हुई। सोशल मीडिया पर कई फैन्स नेनकवी को तुरंत हटाने की मांग उठाई और असली प्रतिभाओं को वापस टीम में लाने की अपील की। राजनीतिक नेताओं का हमला- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के वरिष्ठ नेता मूनिस इलाही ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, अगर प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ में थोड़ी भी हिम्मत है तो उन्हें मोहसिन नकवी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इस व्यक्ति ने इतने कम समय में पाकिस्तान क्रिकेट को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। इलाही ने यह भी कहा कि नकवी को हटाना जरूरी है क्योंकि उन्होंने अपने फैसलों से टीम की ताकत कमजोर कर दी है।

ईंट से 15 सेकंड में 18 वार... इस खुन्नस में दम तोड़ने तक पवन पर हमला करता रहा कातिल ; CCTV में लाइव मर्डर

यूपी के मेरठ जिले में राजमिस्त्री की हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। भूनी गांव में निर्माण सामग्री न खरीदने पर आरोपी ने राजमिस्त्री को ईंट से पीट-पीटकर मार डाला। हत्या की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई।यूपी के मेरठ के सरूरपुर थाना इलाके के भूनी गांव में रविवार देर रात राजमिस्त्री की हत्या कर दी। ईंट से सिर पर वार कर बेरहमी से हत्या की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार, मेरठ के सरूरपुर थाना इलाके के भूनी गांव में रविवार देर रात राजमिस्त्री पवन (29) पुत्र वेद प्रकाश को गांव के ही सोनू त्यागी उर्फ मोतीलाल ने ईंट से 15 सेकंड में 18 वार कर मार डाला। निर्माण सामग्री न खरीदने पर की गई ये वारदात सीसीटीवी फुटेज में दिख रही है। पुलिस ने हत्या, एससी-एसटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार शाम मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव लाया गया तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने प्रदर्शन कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने व अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।मृतक के भाई अमित ने बताया कि रविवार को दिन में पवन का सोनू त्यागी से विवाद हुआ था। पवन मेरठ-करनाल हाईवे पर स्थित कंपोजित विद्यालय में निर्माण कार्य कर रहा था। पवन पहले निर्माण कार्य के लिए सोनू त्यागी व उसके भाई विक्की उर्फ विकास की दुकान से रोड़ी, डस्ट व सीमेंट आदि खरीदता था लेकिन कुछ दिन से उसने कहीं और से यह सामान लेन शुरू कर दिया था। डेयरी के चबूतरे पर सो रहा था पवन- इस बात से नाराज होकर आरोपी का भाई विक्की उर्फ विकास वहां आया और गाली-गलौज करने लगा। तभी आरोपी सोनू भी वहां आ गया और अंजाम भुगतने की धमकी देकर चला गया। रविवार रात पवन घर के बाहर के डेयरी के चबूतरे पर सो रहा था।रात लगभग दो बजे आरोपी वहां आया। आरोपी ने डेयरी के पास रखी एक ईंट उठा ली। इसके बाद आरोपी ने पवन के सिर पर ईंट से ताबड़तोड़ वार किए। इससे पवन की मौके पर ही मौत हो गई।

दम तोड़ने तक वार करता रहा आरोपी- पुलिस ने डीवीआर और फुटेज कब्जे में ले लिए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी सोनू तब तक वार करता रहा जब तक पवन ने दम नहीं तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी सोनू त्यागी को सोमवार सुबह कदम पब्लिक स्कूल के पास बंबे के किनारे स्थित खेत से गिरफ्तार कर लिया। सीओ आशुतोष कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपी को जल्द ही पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। फुटेज में अकेला आरोपी दिख रहा है। वारदात में उसके भाई या किसी अन्य की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

बरेली बवाल: मौलाना तौकीर के करीबी डॉ. नफीस समेत 31 आरोपी गिरफ्तार, जांच के लिए एसआईटी गठित;इंटरनेट सेवा बहाल

बरेली में मौलाना तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस को पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसकी मार्केट को दिन में नगर निगम ने सील किया। इसमें 74 दुकानें हैं। वहीं मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है। बरेली में इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी और शहर में हुए बवाल के आरोपी डॉ. नफीस की नावल्टी स्थित मार्केट को नगर निगम ने सोमवार को सील कर दिया। इसमें 74 दुकानें हैं। इसी मार्केट में आईएमसी का दफ्तर भी संचालित किया जा रहा था। उस पर भी नगर निगम ने ताला लगा दिया है। आरोप है कि नाले पर कब्जा कर यह मार्केट बनाई गई है। देर रात नफीस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आईएमसी जिलाध्यक्ष सादिक को भी पकड़ लिया है।

आईएमसी के पूर्व जिलाध्यक्ष और तौकीर के सिपहसालार नदीम खान को पुलिस ने रविवार रात को ही गिरफ्तार कर लिया था। उपद्रव की तफ्तीश के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। वहीं, रात 12.45 बजे इंटरनेट सेवा बहाल हो गई। पूरा मार्केट किया गया सील नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि पहलवान साहब की मजार के पास की मार्केट की कई दुकानें नाले पर बनी हैं, जो अवैध हैं। शनिवार शाम को ही नगर निगम की टीम ने मार्केट की पैमाइश कर ली थी। सोमवार को टीम मौके पर पहुंची और दुकानदारों को सामान निकालने के लिए कहा। जैसे-जैसे दुकानें खाली होती गईं, एक-एक कर उनको सील किया गया। फिर पूरी मार्केट पर बाहर से भी सील लगा दी। दूसरे तल पर आईएमसी का दफ्तर मार्केट के दूसरे तल पर स्थित आईएमसी कार्यालय में बैठकर नफीस जिले में होने वाले संगठन के सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करता था। । डॉ. नफीस ही संगठन की पूरी रणनीति को अंजाम देता था। नफीस का करीबी पार्षद अनीस सकलैनी मार्केट में पंचायत लगाकर बैठता था। पिछले दिनों नफीस ने आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर उतारने पर किला इंस्पेक्टर को हाथ काटने और वर्दी उतारने की धमकी दी थी। ये आरोपी हुए गिरफ्तार सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने नदीम के साथ ही मुस्तकीम, जफरुद्दीन, मोहम्मद इमरोज, मुसरोफ शेख, शमशेर रजा, मोहम्मद उवैस, राहिल, मोहम्मद साजिद, समीर, जीशान, फैसल, तौहीद खान व फरमान को भी अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया। आईएमसी जिलाध्यक्ष सादिक सहित 31 गिरफ्तार बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि कसाई टोला निवासी उमेद, मुस्तकीम, अरबाज, कलीम, मोबीन, नाजिम रजा, मोहसिन, शाकिब, रफीक, जैनुल, तौहीन, फैसल, मोबीन पुत्र छोटेशाह, अरशद व सुब्हान को गिरफ्तार कर लिया गया। देर रात बारादरी पुलिस ने आईएमसी के जिलाध्यक्ष फरीदपुर निवासी सादिक खान को भी गिरफ्तार कर लिया।

संपादकीय Editorial

Now, the "extremely backward"

The backward have, ultimately, remained backward and will likely remain so. They can never become forward because governments want them to. Election time has come in Bihar, and the "extremely backward" has once again been remembered. During the 78 long years of India's independence, backward classes have certainly been offered the "bait of reservation," but even that is "extremely limited," so backward classes can never become forward. Perhaps this is their destiny. When then-Prime Minister V.P. Singh approved and implemented the Mandal Commission's recommendations in 1990, the backward classes saw some changes in their fortunes. Now, once again, announcements have been made regarding caste census and reservation. Congress has pledged that if it forms government in Bihar, up to 50 percent reservation in government contracts will be given to "extremely backward" classes. Reservations will also be implemented for admissions to private educational institutions. The current 20 percent reservation in panchayats and municipal bodies will be increased to 30 percent. Let us remind you that when Nitish Kumar became Chief Minister in 2005, he created a separate classification for the "extremely backward" and, for the first time, granted them 20% reservation in panchayats and municipal bodies. Furthermore, during that period, Chief Minister Nitish Kumar also allocated an amount of ?40.05 crore. As a result, the "extremely backward" have remained mobilized in Nitish's support ever since. Around 70-80% of the votes have been cast in favor of the Janata Dal-U. Now, the Congress has made several announcements to try to dent Nitish's vote bank. In its "Sankalp Patra," the Congress has also promised that if it forms the government, it will pass the "Extremely Backward Atrocities Prevention Act." Of course, Nitish may also make some major reservation-related announcements to maintain his vote bank. Today, through Prime Minister Modi, the Chief Minister launched a scheme to provide ?10,000 per person to 7.5 million women, or a total of ?7,500 crore. There have been a series of announcements, including monthly allowances for unemployed youth and laptops for graduates. However, the question remains: will such announced arrangements transform the extremely backward into "forward" people? Our experience is that this will not happen at all. Some statistics from across the country are presented, for which all governments are culpable and responsible. 2,630 vacant positions in the country's central universities are still vacant, for which appointments should be made for professors, associate professors, and assistant professors from Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and Extremely Backward Classes. At AIIMS Hospital in Delhi alone, 730 vacant resident doctor positions are reserved for Dalits, tribals, and Extremely Backward Classes, yet appointments are not being made. It is estimated that over 63 percent of the country's population is OBC and Extremely Backward Classes. This should not be limited to Bihar. According to the Constitution, appointments to top and higher government positions, after adequate education, are also the right of the Extremely Backward Classes. Today, the Congress party is shedding tears, but from the first Prime Minister Jawaharlal Nehru to Prime Minister Rajiv Gandhi, everyone was anti-backward class and opposed any kind of reservation, so the Mandal Commission report was gathering dust. Today, Rahul Gandhi announced that the Congress will break the 50 percent reservation barrier. Will the party also go against the Supreme Court's decision? According to information provided by Union Minister Dr. Jitendra.

Rahul Gandhi refuses to be vigilant about his security, flouts protocol

The latest development is that the head of VVIP security has written a letter to Rahul Gandhi, along with the Congress President, regarding his perceived negligence regarding his security. He has appealed to him to adhere to security protocol. It should be noted that Rahul Gandhi has Z-plus security. Recently, news emerged that Congress leader Rahul Gandhi was not adhering to security protocol. The Congress party ignored the CRPF's letter in this regard, despite numerous examples of the dire consequences of violating security standards. Despite a special request from the then Home Minister, Sardar Patel, Mahatma Gandhi refused to adhere to security protocol. Just 10 days before his assassination on January 30, 1948, a bomb exploded near the Birla Bhavan, his place of worship. Following this, security personnel became alert. The local Superintendent of Police (SP) of Delhi approached Gandhiji and requested him to allow the search of people attending the prayer meeting, but Gandhiji refused. Subsequently, the regional DIG met with Gandhiji for the same purpose. He also made a similar request. He still refused. When Sardar Patel personally met Mahatma Gandhi, Gandhiji threatened to launch a fast unto death if those attending the prayer meeting at Birla Bhavan were searched. What could Sardar Patel have done? This provided Nathuram Godse with a favorable environment. He brutally murdered Gandhiji. But what happened after Gandhiji's assassination? When news spread that a Chitpavan Brahmin had killed Gandhiji, Congressmen and others massacred hundreds of Chitpavan Brahmins in Maharashtra. Former Prime Minister Indira Gandhi and former Prime Minister Rajiv Gandhi were also assassinated under similar circumstances. Both of these personalities deliberately violated their security protocols. Indira Gandhi had the precedent of Gandhi's assassination. Rajiv Gandhi had the precedent of Gandhi's and Indira's assassinations. Rahul Gandhi has the precedent of three assassinations, all due to his own negligence. Many people say that the people of this country do not learn from history. Much has been said about Indira Gandhi's assassination. R.N. Kao, then head of the National Security Advisor (NSA), alerted security agencies about the suspicious nature of Beant Singh, the sentry at the Prime Minister's residence. He was also Prime Minister Indira Gandhi's senior security advisor. Based on this, Beant Singh was transferred to the armed unit of the Delhi Police. When Indira Gandhi learned that he had been reassigned, she reassigned him to her residence for security. He was the first to fire at the Prime Minister on that dark morning of October 31st. Similar neglect of security standards led to Rajiv Gandhi's death in a human bomb explosion in Perambadur, Tamil Nadu, on May 21, 1991. Before the blast that day, Rajiv Gandhi's security measures, documented in the "Blue Book," were not followed. Rules required everyone approaching Rajiv Gandhi, but the human bomb was not searched because Rajiv himself refused to allow them to do so. Police Sub-Inspector Anusuya Daisy Ernest, stationed at the scene, attempted multiple times to prevent Dhanu from approaching Rajiv, but Rajiv Gandhi told the security personnel, "Let everyone come to me." Leader of the Opposition Rahul Gandhi neither follows the rules of House conduct nor considers legal and illegal comments in his speeches or statements. As a result, he is facing numerous legal troubles. He is even negligent about his personal security. On August 8, 2017, the then Home Minister Rajnath Singh told Parliament that "Rahul Gandhi has made 121 planned and unplanned trips in the past two years." On several occasions, he did not use a bulletproof car.' The latest development is that the head of VVIP security has written a letter to Rahul Gandhi, along with the Congress President, regarding Rahul Gandhi's perceived negligence regarding his security. He has appealed to him to adhere to security protocols. The letter states that Rahul Gandhi recently made several trips without prior notice to security agencies. Such activities could pose a threat to his security. The letter also states that it is mandatory to follow security guidelines. It should be noted that Rahul Gandhi has Z-plus security. Following the assassinations of Mahatma Gandhi and Indira Gandhi, many innocent people were killed in the retaliatory violence. It would be advisable for the government to seriously consider taking action against those who violate security protocols. If adherence to security protocols is mandatory, there should also be a provision for punishment for violating them.

India responded to Pakistan in its own language at the United Nations.

Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif spewed venom against India at the United Nations, which warranted a response. India responded to Pakistan in the same language. Pakistan cannot hide its tainted image while feigning peace. It continues to nurture terrorist organizations. Pakistan, which harbored Al Qaeda leader Osama bin Laden, defended the TRF. After meeting the US President with its Army Chief Asim Munir, Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif's venom against India at the United Nations warranted a response. It was good that India's representative at the United Nations responded to Pakistan in a language it understands. It was essential to shame Pakistan and underline that it cannot hide its tainted image while feigning peace. Pakistan continues to foster a variety of terrorist organizations, as before. It is difficult to count Pakistani terrorists on the list of terrorists banned by the United Nations Security Council. India did well to remind that Pakistan, which harbored Al Qaeda leader Osama bin Laden, recently defended the terrorist organization TRF, which carried out the brutal attack in Pahalgam. TRF is nothing but a front organization for the Pakistan-sponsored terrorist organization Lashkar-e-Taiba. After the Pahalgam attack, when the organization's actions were mentioned at the United Nations, Pakistan made every effort to prevent the organization from being held responsible for the attack. It succeeded in doing so, but later the United States itself held it responsible for the Pahalgam terrorist attack. It is a different matter that US President Trump, for his own narrow interests, is engaged in lobbying for Pakistan. This is why, after Operation Sindoor, he invited and hosted the jihadist-minded Pakistani Army Chief Asim Munir to the United States. He did the same again, this time accompanied by Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif. Now, there is no doubt that Asim Munir holds the true reins of power in Pakistan, with Shahbaz Sharif acting as his deputy. The Pakistani Defense Minister confirmed this by stating that we have a hybrid form of government. Shahbaz Sharif, in his role as an aide to the Army Chief, was seen at the SCO summit in China and now in the United States. The US President's claims of Pakistan's oil and rare mineral reserves, intended to appease Pakistan, are solely aimed at increasing India's concerns. India should be concerned, as there is now a growing fear that Pakistan, with US support, may intensify its anti-India activities. It is essential that India advance its defense preparations and remain vigilant against the emerging threat from Pakistan.

Another dose of tariffs, talks of mutual trade agreements between the two countries

The US President's announcement of a 100% tariff on pharmaceuticals has caused a stir. It's a relief that this tariff is on patented medicines, which will have a minimal impact on Indian pharmaceutical companies, as they export mostly generic medicines. Generic medicines account for 95% of the total exports. Trump's decision will not cause immediate damage, but the stock market decline has raised concerns. The US President has once again caused a stir by announcing a 100% tariff on medicines. It's a relief that he has imposed tariffs only on patented medicines. This will not significantly impact Indian pharmaceutical companies, as they primarily supply generic medicines to the US. Generic medicines account for 95% of the medicines these companies export to the US. Since only five percent of the US market is patented drugs, the US President's decision is unlikely to harm Indian interests at this time. However, the decline in the shares of Indian pharmaceutical companies suggests that the stock market is unsure about Trump's intention to limit his pharmaceutical tariffs to patented drugs. In any case, Trump's decision to impose a 100% tariff on pharmaceuticals, effective October 1st, has sent a message to Indian pharmaceutical companies to be cautious about his future actions. Pharmaceutical companies that sell, or intend to sell, patented drugs along with generic ones to the US must exercise caution. While Trump's drug tariffs have largely affected European companies that supply India with patented drugs, India cannot ignore the fact that the US has previously imposed a 50% tariff on Indian goods. Furthermore, Trump has already revoked the concession granted to India at Iran's Chabahar port and recently increased H-1B visa fees unexpectedly. All three of his actions are likely to harm Indian interests. It should also not be overlooked that the US President is targeting India for purchasing oil from Russia, but is refusing to take any action against China and Turkey. It is true that India's persistence and exposure of America's double standards have led the US President to soften his tough stance towards India, but things will only work out once a mutual trade agreement is reached between the two countries. India should strive to finalize this agreement as soon as possible and protect its interests while doing so. Even if this happens, India should leave no stone unturned in moving towards self-reliance and self-sufficiency. The dream of a self-reliant India can only be realized when Indian industry is able to compete in the global market.

समझाने के बाद भी तू नहीं मान रहा..., ये बात कहते हुए अक्कू ने शोभित को मार दी गोली; दोस्त ने बताई कहानी

मुरादाबाद में चार माह पहले एक लड़की को लेकर इंस्टाग्राम पर हुए विवाद में सोमवार पांच बजे कटघर थाना क्षेत्र के बलदेवपुरी वसंत विहार चौराहे पर बजरंग दल के सूरज नगर खंड के संयोजक शोभित ठाकुर उर्फ भूरा (20) कार्यकर्ताओं ने करीब दो घंटे कर लिया है।मुरादाबाद में बजरंग सूचना मिलने पर सोमवार की पदाधिकारी जुट गए और उन्होंने जानकारी मिलने पर एसपी सिटी लाइंस, गलशहीद और मुगलपुरा कार्यकर्ताओं ने पुलिस कर्मियों अश्वनी सूद से अभद्रता करने ही नारेबाजी लगे। इसके बाद गुप्ता, विपिन गुप्ता, गौरव सिटी कुमार रण विजय सिंह कार्यकर्ताओं को समझाकर शांत पाया।शोभित को बचा लो अक्कू वसंत विहार चौराहे पर सोमवार सिगरेट, बीड़ी बेचने वाली

की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात से गुस्साए तक हंगामा किया। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज दल के सूरज नगर खंड के संयोजक शोभित की हत्या की शाम सात बजे कटघर थाने में बजरंग दल कार्यकर्ता और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हंगामा किया। हंगामे की कुमार रण विजय सिंह पहुंच गए और कोतवाली, सिविल थाने की फोर्स बुला ली गई। इसी बीच बजरंग दल के पर महानगर गोरक्षा प्रमुख रजत ठाकुर और एक अन्य पदाधिकारी का आरोप लगाकर हंगामा किया।इसके बाद पुलिस के खिलाफ विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय प्रबंध समिति सदस्य डॉ. राजकमल भटनागर समेत अन्य पदाधिकारी भी आ गए। उन्होंने एसपी और सीओ कटघर वरुण कुमार से बात की। इसके बाद उन्होंने कराया। रात करीब नौ बजे के बाद ही मामला शांत हो ने कनपटी पर तमंचा सटा दिया... मार दी गोली बलदेवपुरी शाम करीब पांच बजे शोभित अपने तीन साथियों के साथ महिला की दुकान के सामने खड़े थे। इसी बीच वहां अविनाश, अक्कू, रोहित, जतिन लाला आ गए। गौतम ने पुलिस को बताया कि चारों ने आते ही शोभित से अभद्रता शुरू कर दी।आरोपी ने शोभित से बाइक की चाबी छीनी विरोध करने पर धमकाने लगे। इसी बीच अक्कू ने शोभित से उसकी बाइक की चाबी मांगी। उसने चाबी नहीं दी तो आरोपी ने कहा कि उसे घर से मोबाइल का चार्जर लेकर आना है। आरोपी ने शोभित से चाबी छीन ली और बाइक लेकर अपने घर चला गया। कुछ ही देर में वापस आ गया। इसके बाद अक्कू ने शोभित से दोबारा बातचीत शुरू कर दी। कहने लगा कि मैं चार्जर लेने नहीं गया था। दिखाऊ क्या लेने गया था। अक्कू ने अपनी अंटी से तमंचा निकाल लिया और कहा कि यह लेने गया था। अक्कू ने कहा कि तूने मेरे दोस्त अविनाश से इंस्टाग्राम पर बहस क्यों की थी

यूपी में बजरंग दल कार्यकर्ता का कत्ल: लड़की को लेकर इंस्टाग्राम पर विवाद; इकलौते बेटे की हत्या से टूटा परिवार

मुरादाबाद में इंस्टाग्राम पर हुए विवाद में बजरंग दल के कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बलदेवपुरी वसंत विहार चौहारे पर यह वारदात हुई। पुलिस ने चार लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है।मुरादाबाद में चार माह पहले एक लड़की को लेकर पांच बजे कटघर थाना क्षेत्र के बलदेवपुरी वसंत विहार खंड के संयोजक शोभित ठाकुर उर्फ भूरा (20) की वारदात से गुस्साए कार्यकर्ताओं ने करीब दो घंटे तक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कटघर के घनश्याम ठाकुर का इकलौता बेटा शोभित ठाकुर उर्फ बजरंग दल में सूरज नगर खंड संयोजक भी था। तीन बजे वह दोस्त गौतम कश्यप के साथ घूमने आदित्य और रोहित मिल गए। चारों कटघर क्षेत्र में पर पहुंच गए। शाम पांच बजे वहां पहुंचे जतिन उर्फ और रोहित जाटव ने शोभित को घेर लिया। अक्कू ने गोली मार दी। सूचना पर शोभित के चचेरे भाई प्रिंस पहुंचा। वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना से कटघर थाने के गेट पर जुट गए।आरोपियों की गिरफ्तारी

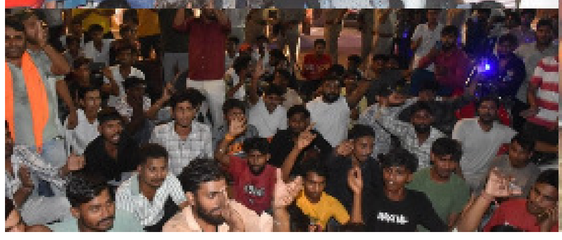

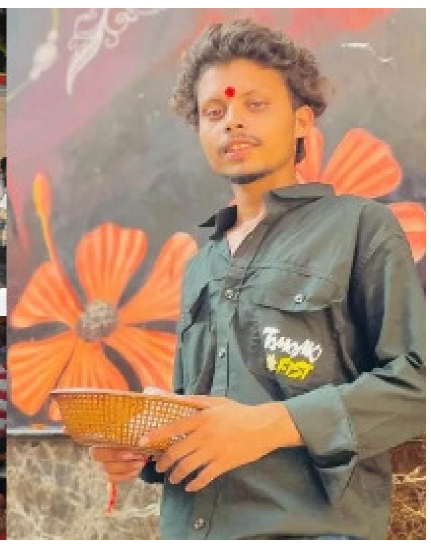

इंस्टाग्राम पर हुए विवाद में सोमवार चौराहे पर बजरंग दल के सूरज नगर गोली मारकर हत्या कर दी गई। हंगामा किया। पुलिस ने चार लोगों गुलाबबाड़ी चुंगी सूरज नगर निवासी भूरा दसवीं कक्षा में पढ़ता था। वह घनश्याम ने बताया कि दोपहर करीब निकल गया। रास्ते में दो दोस्त ही बलदेवपुरी वसंत विहार चौराहे लाला, अक्कू शर्मा, अविनाश पासी शोभित की कनपटी पर तमंचा सटाकर शोभित को लेकर जिला अस्पताल गुस्साए बजरंग दल के कार्यकर्ता की मांग की। पुलिस कर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो कार्यकर्ताओं ने अभद्रता का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। करीब दो घंटे बाद एसपी सिटी और बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों के समझाने पर माने। पुलिस की पड़ताल में सामने आया है कि अविनाश और शोभित के बीच चार माह पहले एक लड़की को लेकर इंस्टाग्राम पर विवाद हुआ था। इसी विवाद में हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

सहेली ने नाबालिग खिलाड़ी को प्रेमी की कार में बैठाया, दूसरे ने की दुष्कर्म की कोशिश, शोर मचाकर छूटी

मुरादाबाद में नाबालिग खिलाड़ी को उसकी सहेली ने अपने प्रेमी की कार में बैठा दिया। आरोप है कि प्रेमी के दोस्त ने उससे दुष्कर्म की कोशिश की। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में नाबालिग ताइक्वांडो खिलाड़ी को उसकी सहेली ने अपने प्रेमी की कार में बैठा लिया। आरोप है कि प्रेमी के दोस्त ने पीड़िता के साथ कार में दुष्कर्म की कोशिश की। पीड़िता के शोर मचाने पर लोग जुटे तो आरोपी उसे छोड़कर कार लेकर भाग गए। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर सहेली, उसके प्रेमी और प्रेमी के दोस्त पर केस दर्ज कर लिया है। सिविल लाइंस में रहने वाली पीड़िता के पिता ने दर्ज कराए केस में बताया कि उसकी 12 वर्षीय बेटी सिविल लाइंस क्षेत्र में स्टेडियम के पास अकादमी में ताइक्वांडो सीखने जाती है।रविवार की शाम करीब छह बजे खिलाड़ी अपनी अपनी 17 वर्षीय सहेली के साथ ताइक्वांडो सीखने के बाद घर लौट रही थी। आरोप है कि इस दौरान सहेली ने प्रेमी को कॉल कर कार लेकर बुला लिया। दोनों लड़कियां अपनी तहसील के पास ही पहुंची थीं कि इसी दौरान सहेली का 16 वर्षीय प्रेमी कार लेकर आ गया। उसने दोनों लड़कियों को कार में बैठा लिया। कार अभी कुछ ही दूरी पर पहुंची थी। इसी दौरान कार चला रहे किशोर का साथी मुकुल चौधरी आ गया और वह भी कार में बैठ गया। आरोप है कि मुकुल चौधरी ने ताइक्वांडो खिलाड़ी के दुष्कर्म की कोशिश की। पीड़िता ने शोर मचाया तो आरोपी ने कार दौड़ा दी। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। इसी बीच कार शाहपुर तक पहुंच गई। पीड़िता ने कार का शीशा खोलकर शोर मचाया तो लोग इकट्ठा हो गए। इसी बीच आरोपी पीड़िता को छोड़कर भाग गए। इसके बाद शाहपुर में रहने वाले एक व्यक्ति ने पीड़िता को उसके घर तक पहुंचाया। पीड़िता ने घर पहुंचकर आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंच गए और केस दर्ज करा दिया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के एक किशोरी, एक किशोर और एक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सितंबर में गर्मी का अहसास, शिक्षक बोले- न बदला जाए स्कूलों का समय

रामपुर। सितंबर माह में मई-जून जैसी गर्मी पड़ने से लोग जहां परेशान हैं। शिक्षकों ने एक अक्तूबर से बदले जाने वाले स्कूलों के समय को न बदलने की मांग शुरू कर दी है। इसको लेकर शिक्षकों ने बीएसए से मुलाकात भी की। सितंबर में मई जून जैसी गर्मी का एहसास हो रहा है। तापमान 34 डिग्री के आसपास हो रहा है। ऐसे में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लगातार आने वाली दिक्कतों को देखते हुए अब शिक्षकों को स्कूल के समय को लेकर चिंता होने लगी है। एक अक्तूबर से स्कूलों का समय नौ बजे से हो जाता है, लेकिन अभी गर्मी है। इसको देखते हुए स्कूलों का समय न बदले जाने की मांग शुरू कर दी गई है।प्राथमिक शिक्षक संघ ने सोमवार को बीएसए से वार्ता की और गर्मी के दृष्टिगत अक्टूबर माह में विद्यालय का समय यथावत रखने की मांग की है। कहा कि वर्तमान में गर्मी का प्रकोप अब भी है। दोपहर के समय 40 डिग्री तापमान जैसा महसूस हो रहा है। एक अक्तूबर से विद्यालय का समय सुबह नौ से तीन बजे तक रहता है। परंतु इस वर्ष गर्मी अत्यधिक होने के कारण यह समय छात्रों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत उचित नहीं है। इस समय स्कूलों का समय सुबह 8ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक है, अक्टूबर माह में भी यही समय रखा जाए। शिक्षकों ने इसके अलावा चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान के लंबित प्रकरणों पर शीघ्र स्वीकृति आदेश जारी करने की मांग की। शिक्षक संघ ने वेतन काटे जाने से पूर्व स्पष्टीकरण लिए जाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जिला मंत्री आनंद प्रकाश गुप्ता, दिलशाद वारसी, मनोज कुमार सागर, एमपी सिंह, संतोष प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

किसान के आंगन से बकरी उठा ले गया तेंदुआ

स्वार। क्षेत्र में लगातार तेंदुए की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। रविवार देर रात कुंदनपुर खादर में तेंदुआ दीवार फांदकर एक किसान के घर में घुस गया और आंगन में बंधी बकरी उठाकर ले गया।घटना रात लगभग दस बजे की बताई जा रही है। अचानक तेंदुए द्वारा बकरी पर हमला करते देख परिजनों में हड़कंप मचा गया। घर के सदस्यों शोर मचाया, लेकिन तब तक तेंदुआ बकरी को लेकर जंगल की ओर निकल चुका था। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने मौके से तेंदुए को खेतों की तरफ भागते देखा। तेंदुए के घर में घुस आने की घटना से पूरे गांव में भय का माहौल है। महिलाओं और बच्चों को लेकर लोग दहशत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी क्षेत्र में तेंदुए की चहलकदमी देखी गई थी, लेकिन अब उसका रुख आबादी की तरफ होने लगा है, जो गंभीर खतरे का संकेत है। घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई, लेकिन देर रात कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे ग्रामीणों का आक्रोश और भी बढ़ गया। उनका कहना है कि वन विभाग केवल कागजों में कार्रवाई करता है, जबकि मौके पर तैनाती और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जा रहे। ग्रामीणों गुरमीत सिंह, गुरदीप सिंह, बलविंदर सिंह, गुरविंदर सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गांव में पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर

ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन

प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश बड़े नेता, हम छोटी गली में रहने वाले खादिम, सपा मुखिया के रामपुर आने की खबर के बाद आजम ने कसा तंज

सपा मुखिया अखिलेश यादव के रामपुर आने के सवाल पर आजम खां ने कहा कि हां, इसकी जानकारी मीडिया के जरिए हुई है। हम तो छोटी सी गली में रहते हैं। यहां पर कई फीट तक पानी भर जाता है। बड़े लोग आएंगे तो अच्छा लगेगा।सपा मुखिया अखिलेश यादव के

आठ अक्तूबर को रामपुर पहुंचने की खबर पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां ने अनभिज्ञता जताई है। उन्होंने कहा कि उनको यह जानकारी अखबारों के माध्यम से ही हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, बड़े लोगों का छोटी गली में रहने वाला यह खादिम खैर मकदम करता है। आजम खां दिल्ली से स्वास्थ्य जांच कराकर वापस लौट आए हैं। वह तीन दिन से दिल्ली के अस्पताल में इलाज करा रहे थे। सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद इलाज के लिए वह दिल्ली चले गए थे। वह सोमवार को जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे।उन्होंने एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में सपा मुखिया अखिलेश यादव के रामपुर आने के सवाल पर कहा कि हां, इसकी जानकारी मीडिया के जरिए हुई है। हम तो छोटी सी गली में रहते हैं। यहां पर कई फीट तक पानी भर जाता है। बड़े लोग आएंगे तो अच्छा लगेगा। नींबू से अचार बनाकर जेल में खा लिया करता था रोटी उन्होंने पूर्व राज्यसभा सांसद शाहिद सिद्दीकी के आरोप को निराधार बताया। कहा कि वह एक अच्छे नेता हैं। उनको कुछ गलतफहमी हो गई। मैंने उनसे यह कहा था कि जब टीवी पर मुख्तार अंसारी के इंतकाल की खबर आई तो यह भी खबर आई कि उसे धीमा जहर दिया जा रहा था। उस खबर से मैं काफी सचेत हो गया। खाने-पीने को लेकर काफी सतर्क हो गया था। उन्होंने कहा कि मैं खुद तो खाना बना नहीं सकता था। दोपहर में एक पतली रोटी खाता था और शाम को भी आधी रोटी खाता था। पेट भरने के लिए नींबू से आचार बना लिया करता था।

फरवरी में मोहल्ले के युवक से हुआ निकाह, जेठ रखने लगा गलत नजर, शिकायत पर पीटा... दुष्कर्म का प्रयास

मुरादाबाद में जेठ ने महिला से दुष्कर्म का प्रयास किया। इसकी जानकारी ससुरालियों को दी तो उन्होंने पिटाई कर दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति, जेठ समेत आठ लोगों पर केस दर्ज कर लिया है।सिविल लाइंस क्षेत्र में जेठ ने महिला से दुष्कर्म का प्रयास किया। महिला ने शिकायत ससुरालियों से की तो उन्होंने उसकी पिटाई कर दी। पुलिस से शिकायत करने पर चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति, जेठ समेत आठ लोगों पर केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने सिविल लाइंस थाने में दर्ज कराए केस में बताया कि उसकी शादी इसी साल फरवरी में मोहल्ले में रहने वाले युवक के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से जेठ उस पर गलत नजर रखने लगा था। आरोपी ने कई बार छेड़खानी की लेकिन ससुराल वाले उसे डांटकार शांत करा देते थेमहिला ने पुलिस को बताया कि 23 सितंबर की सुबह पति बाहर गया था। सास पड़ोस गई थी। इसी दौरान जेठ खींचकर कमरे में ले गया और दुष्कर्म की कोशिश की। पीड़िता के शोर मचाने पर जेठानी और सास आ गई। इसी दौरान आरोपी मौके से भाग गया। वह शिकायत करने थाने जा रही थी तो सास, जेठानी, देवर और ननद ने उसे कमरे में बंद कर दिया। पति के घर लौटने पर उसने जेठ की शिकायत की तो उसने भी महिला से मारपीट की। ननद ने धमकी दी कि पुलिस से शिकायत करेगी तो चेहरे पर तेजाब डाल दूंगी। अगले दिन महिला ने घटना की जानकारी पिता को दी तो उन्होंने ई रिक्शा भिजवाकर उसे घर बुला लिया। पीड़िता मायकेवालों के साथ थाने पहुंची। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि पति, जेठ, जेठानी, सास, दो देवर और दो ननद के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली बवाल: आईएमसी जिलाध्यक्ष समेत 15 और आरोपी भेजे गए जेल, पुलिस पर गोली चलाने वाला मुठभेड़ में गिरफ्तार

बवाल के मामले में मंगलवार को 15 और आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। इनमें आईएमसी का जिलाध्यक्ष भी शामिल है। एक आरोपी ताजिम को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है। एक नाबालिग आरोपी मामले में पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी 15 और आरोपियों को जेल भेजा गया है। किया है। एसपी सिटी मानुष पारीक ने कोतवाली क्षेत्र से 14 और बारादरी से दो आरोपी नाबालिग है। अब तक 72 आरोपी क्षेत्र से गिरफ्तार शमशाद आलम आईएमसी का रहने वाला है। शमशाद मौलाना तौकीर बनाने में शामिल रहा। वह व्हाट्सएप ग्रुप सिटी ने बताया कि बवाल के मामले में गिरफ्तारी हो चुकी है। मुठभेड़ में ताजिम ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। बिथरी मंगलवार को हुई मुठभेड़ में आरोपी के पैर 26 सितंबर को बवाल के दौरान भीड़ में था। उससे तमंचा और कारतूस बरामद हुए

को भी पकड़ा गया है। बरेली में बवाल के है। मंगलवार को आईएमसी जिलाध्यक्ष समेत पुलिस ने एक आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें एक गिरफ्तार - एसपी सिटी ने बताया कि बारादरी का जिलाध्यक्ष है। यह फरीदपुर थाने के वाहनपुर रजा, नदीम और डॉ. नफीस के साथ साजिश व सोशल मीडिया पर सक्रिय रहा था। एसपी दर्ज 10 मुकदमों में अब तक 72 आरोपियों की को दबोचा बवाल के आरोपी ताजिम को पुलिस चैनपुर थाना क्षेत्र में राधा माधव स्कूल के पास में गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी मौजूद था। उसने पुलिस टीम पर फायर किया हैं। थाना बारादरी पुलिस के मुताबिक मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली कि 26 सितंबर को श्यामतगंज पुल के पास पुलिस पर फायर करने वाला बदमाश बाइक लेकर हारुन नगला पुल के पास खड़ा है। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पहुंचकर बिना नंबर की बाइक पर सवार युवक को घेरने का प्रयास किया। पुलिस को देख उसने बाइक बिथरी चैनपुर की तरफ दौड़ा दी। पानी टंकी के पास हुई मुठभेड़ - पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। राधा माधव स्कूल के आगे पानी टंकी के पास आरोपी बाइक छोड़कर भागने लगा और उसने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी, जिससे वह सड़क पर गिर गया। पुलिस ने उसे दबोच लिया गया। आरोपी से एक तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए हैं। घायल को जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में पता लगा है कि आरोपी ताजिम थाना बारादरी के काजी टोला का निवासी है। पूर्व में गोकशी एवं गैंगस्टर के मामलों में जेल जा चुका है। इसी ने श्यामगंज पुल के पास पुलिस पर फायर किया था।

तालाब किनारे एक अज्ञात महिला का शव पुलिस ने किया बरामद, शिनाख्त नही।

क्यूँ न लिखूँ सच/शेर सिंह/ भुता ।थाना क्षेत्र के ग्राम अधकटा के जंगल में तालाब किनारे मिला एक अज्ञात महिला का शव। सूचना पर कर मौके पर जांच पड़ताल की।और हाउस भेजा।शव के पास से आदि बरामद हुई हैं।बता दें कि आज पुलिस को सूचना दी गई। की गांव पास एक अज्ञात महिला जिसकी उम्र

पहुंची पुलिस ने शव को बरामद शव को शील कर पोस्टमार्टम कीटनाशक दवा व पानी की बोतल सुबह लगभग 7 बजे ग्रामीणों द्वारा अधकटा के जंगल में तालाब के लगभग 32 वर्ष का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव के आसपास जांच पड़ताल कर वहां से कीटनाशक की खाली शीशी, दो पानी की खाली बोतल, एक नमकीन का पाउच व एक जोड़ी लेडिज चप्पल बरामद की है। मौके पर फील्ड यूनिट की टीम ने भी पहुंचकर जांच पड़ताल की, महिला के शव की आसपास के ग्रामीणों से शिनाख्त कराई लेकिन समाचार लिखे जाने तक अज्ञात महिला के शव की कोई शिनाख्त नहीं हो सकी है। इधर अज्ञात महिला के शव से कुछ ही दूरी पर महिला का पहने हुए कुर्ते से मैचिंग का दुपट्टा व लेडीज चप्पल पड़ी होने से ग्रामीणों में कहीं और दूसरे स्थान पर हत्या कर शव यहां फेंकने की चर्चा है। इधर थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार का कहना है सूचना पर पहुंचकर महिला के शव को शील कर मोर्चरी में रखवा दिया गया है। महिला की शिनाख्त के लिए काफी प्रयास किया जा रहा हैं। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

बरेली बवाल में पुलिस को बड़ी सफलता, बदमाश, मुठभेड़ में गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। बवाल में बारादरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 26 सितंबर को पुलिस टीम पर बदमाश को पुलिस गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई के में गोली लगी, गया। जानकारी के की दोपहर बारादरी चौकी पुलिस को

श्यामगंज पुल के पास फायरिंग करने वाले ने एनकाउंटर में मंगलवार को हुई दौरान बदमाश के पैर जिससे वह घायल हो मुताबिक, 30 सितंबर थाना क्षेत्र के रुहेलखंड मुखबिर से सूचना मिली थी कि श्यामगंज पुल फायरिंग का आरोपी हारुन नगला पुल के पास बिना नंबर की काली अपाचे बाइक से खड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी बाइक से भागने लगा। पीछा करने पर वह राधा माधव स्कूल के पास पानी टंकी के निकट मोटरसाइकिल छोड़कर भागते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिससे बदमाश के बाएं पैर में गोली लग गई और वह गिर पड़ा। मौके से पुलिस ने एक 315 बोर का तमंचा, खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और संदिग्ध अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।पकड़े गए आरोपी की पहचान ताजिम पुत्र हसीन निवासी काजी टोला थाना बारादरी, उम्र 28 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक ताजिम पर पहले से गो-कशी और गैंगस्टर एक्ट के मामले दर्ज हैं। पूछताछ में सामने आया कि उसे मौलाना और सभासद अनीश ने दंगा भड़काने के लिए अवैध असलहे के साथ भीड़ में शामिल होने को कहा था। इसी ताजिम ने श्यामगंज पुल पर पुलिस पर फायरिंग की थी। फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बरेली बवाल प्रकरण पार्षद ओमान के चार्जिंग स्टेशन पर चला बुलडोजर

मौलाना तौकीर के करीबी का बरातघर सील

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। बवाल की साजिश रचने के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबियों और रिश्तेदारों पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) और नगर निगम की संयुक्त टीम ने मंगलवार को प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बानखाना मोहल्ले में बड़ी कार्रवाई की। यहां सपा पार्षद ओमान रजा के अवैध चार्जिंग स्टेशन को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। बताया गया कि नाले पर बाउंड्रीवाल बनाकर

अवैध तरीके से चार्जिंग स्टेशन बनाया गया था। बुलडोजर से बाउंड्री वाल को तोड़ दिया गया। पार्षद उमान का एक और चार्जिंग स्टेशन विद्युत चोरी से संचालित होता पाया गया। इस पर भी कार्रवाई की गई है। तौकीर रजा का रिश्तेदार हिरासत में मौलाना तौकीर रजा के रिश्तेदार मोहसिन रजा खान और उसके भाई को हिरासत में लिया गया है। मोहसिन रजा मननानी मियां का दामाद है। मोहसिन के घर पर कार्रवाई करने के लिए बीडीए और नगर निगम की टीम पहुंची थी। इस दौरान मोहसिन रजा की अफसरों से तीखी नोकझोंक हो गई। मोहसिन ने आंवला भाजपा जिलाध्यक्ष पर आरोप लगाया और कहा कि यह मामला सिर्फ राजनीतिक है। वह 2005 में आईएमसी छोड़ चुके हैं। तौकीर रजा से कोई वास्ता भी नहीं है। बीडीए की टीम ने शाहजहांपुर रोड स्थित नरियावल में हमसफर बरातघर को सील कर दिया है। ये बरातघर शराफत का है, जो शहर के सूफीटोला का निवासी है और मौलाना तौकीर रजा का बेहद करीबी बताया जाता है। बीडीए की टीम मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ हमसफर बरातघर पहुंची और सीलिंग की कार्रवाई की। टीम ने नोटिस चस्पा किया है, जिसके मुताबिक अवैध तरीके से निर्माण करने पर यह कार्रवाई की गई है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षोत्सव के अंतर्गत द्वितीय चरण की सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित कीं

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। 23 वें दीक्षांत पूर्व प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी के संरक्षण तथा कुलपति प्रो. के.पी.सिंह जी के मार्गदर्शन में आज को गोद लिए गए गावों के प्राथमिक से इंटरमीडिएट स्तर के विद्यालयों में भाषण , कहानी

कथन की प्रतियोगिताओं के द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रथम चरण में तीनों प्रतियोगिताओ के विजेता विद्यार्थियों के मध्य प्रतियोगिताएं हुई । सांस्कृतिक समन्वयक डॉ.ज्योति पाण्डेय ने बताया कि आज मंगलवार को प्रतियोगिताओं का द्वितीय चरण शुरू हो चुका है। जिसमें प्रथम चरण के विजेता विद्यार्थियों के मध्य प्रतियोगिताएं करवाई जा रही है। बच्चो ने स्वयं को बेहतर प्रतिभागी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया ताकि विजयी होकर दीक्षांत के मंच से पुरस्कृत हो सके। आज प्राथमिक विद्यालय लालपुर, ईटोबा बेनीराम, डोहरिया, दिशा स्कूल, उच्च प्राथमिक डोहरिया, ईटोबा बेनीराम, दोहरा द्वारा यह प्रतियोगिताएं करवाई गई है। शेष विद्यालय इस चरण को इसी सप्ताह में पूरा करेंगे। विद्यालयों द्वारा दीक्षोत्सव के आयोजन में पूर्ण सहयोग और भागीदारी की जा रहा है। प्रतियोगिताओं के आयोजन में कुलसचिव श्री हरीश चंद्र, निवर्तमान कुलसचिव श्री संजीव कुमार सिंह, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ.ज्योति पाण्डेय, विद्यालयों के प्राचार्या एवं शिक्षक रागिनी पांडे, मधु सिंघल,नुसरत परवीन , मधुबाला, तरनप्रीत, मीना गंगवार, मीना पांडे , श्यामला, राहत अली, मनप्रीत, मीनू गुप्ता, कीर्ति वर्मा, मीना पांडे , मीडिया सेल से डॉ .अमित सिंह, श्री तपन वर्मा , आदि का विशेष सहयोग रहा।

श्रीराम मूर्ति जी का 37वां स्मृति दिवस दो अक्टूबर को विभिन्न विभूतियों को मिलेगा राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। आगामी 2 अक्टूबर को श्रीराम मूर्ति कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में श्रीराम मूर्ति के 37वें स्मृति दिवस पर विभिन विभूतियों अलंकृत किया के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष सर्जरी प्रो. विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छत्तीसगढ़) की कुलपति देखभाल, स्वच्छता, आजीविका संवर्धन, प्राकृतिक क्षेत्रों में सक्रिय संस्था एआरओएच की संस्थापक एंड काम्पलाइनसेज (इंजीनियरिंग सर्विसेज) को इस वर्ष राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण से सम्मानित

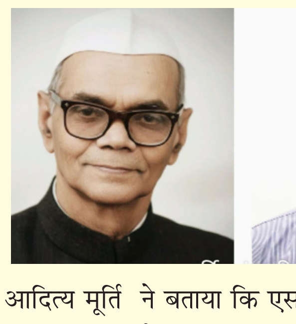

जाएगा। कार्यक्रम में पीजीआई चंडीगढ़ एसएम बोस, इंदिरा कला संगीत प्रो. लवली शर्मा, शिक्षा, स्वास्थ्य संसाधन प्रबंधन और नवीकरण ऊर्जा के एवं अध्यक्ष डा.नीलम गुप्ता और रिस्क इनफोसिस लिमिटेड के हेड मनीष कुमार किया जाएगा। यह बात श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने कही। आदित्य मूर्ति ने बताया कि एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रेरणास्रोत, स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद बाबूजी श्रीराम मूर्ति जी ने 37 वर्ष पहले 2 अक्टूबर 1988 को परमधाम प्रस्थान किया था। उनके आदर्शों को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए पिताजी देव मूर्ति जी ने 1990 में श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की स्थापना की। बाबू जी का 37वां स्मृति दिवस समारोह गुरुवार (दो अक्टूबर) को आयोजित होगा। इस अवसर पर इस बार चार प्रतिभाओं को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। इसमें प्रो. एसएम बोस, प्रो. लवली शर्मा, डा.नीलम गुप्ता और मनीष कुमार शामिल हैं। श्रीराम मूर्ति कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के श्रीराम मूर्ति शतिक प्रेक्षागृह में पूर्वाह्न 11.00 बजे आयोजित होने वाले स्मृति दिवस समारोह में वार्षिक राष्ट्रीय कहानी प्रतियोगिता और वार्षिक अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के सभी शैक्षणिक संस्थानों के मेधावी विद्यार्थियों को 3.5 करोड़ से अधिक राशि की छात्रवृत्ति वितरित की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

डीआईजी से मिला सपा प्रतिनिधि मंडल, किसी निर्दोष पर न हो कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। बवाल के बाद पुलिस ताबड़-तोड़ कार्रवाई कर रही है। जिसके बाद पुलिस पर निर्दोष लोगों पर कार्रवाई के आरोप

सपा ने लगाए हैं। मंगलवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल डीआईजी से मिलने पहुंचा। मांग रखी गई कि किसी भी निर्दोष के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाए। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप के नेतृत्व में डीआईजी अजय साहनी से मिला। जिसमें बरेली की हाल की घटना पर अपनी चिंता प्रकट की। प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति पर कार्रवाई न की जाए। जिलाध्यक्ष शिव चरण कश्यप ने कहा कि बरेली की गंगा-जमुनी तहजीब को हर हाल में बरकरार रखा जाएगा ,इसलिए सभी नागरिकों से अपील है कि गलत और मौका-परस्त तत्वों के बहकावे में न आएं और आपसी भाईचारा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि इस दौरान डीआईजी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होगा और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी, पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार, पूर्व विधायक विजयपाल सिंह, राजेश अग्रवाल, प्रदेश सचिव शुभलेश यादव, कदीर अहमद,अनीस इंजीनियर , अगम मौर्य, जिलाउपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह यादव, मनोहर पटेल, अंबेडकर वाहिनी के सुरेंद्र सोनकर, जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव, महानगर महासचिव दीपक शर्मा, शिव प्रताप यादव, उपाध्यक्ष राजेश मौर्य, जिला सचिव बृजेश श्रीवास्तव, असलम खान, विधान सभा अध्यक्ष हसीब खान, संजीव कश्यप, हरिओम प्रजापति, नाजिम कुरैशी, ओमपाल प्रजापति, डॉ चांद आदि मौजूद रहे।

दो अल्ट्रासाउंड सील, पांच के खिलाफ जांच शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली,। अवैध तरीके से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग का अभियान शुरू हो गया है। नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अंसारी ने दो सेंटर सील कर दिए। बहेड़ी, आंवला और रामनगर में चल रहे 5 अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ जांच की जा रही है। फतेहगंज पश्चिमी के भी एक अल्ट्रासाउंड सेंटर में बिना रेडियोलाजिस्ट के जांच की शिकायत मिली है जिसे चेक करने का निर्देश दिया गया है। सीएमओ कार्यालय में कई शिकायतें मरीजों ने की हैं जिसमें अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट गलत होने का आरोप है। इसके बाद नए नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अंसारी को अभियान शुरू किया है। रामनगर में अवैध तरीके से चल रहा श्यामा अल्ट्रासाउंड सेंटर सील कर दिया गया है। शीशगढ़ में अवैध तरीके से संचालित रेशमा अल्ट्रासाउंड सेंटर भी सील हो गया है। डॉ. लईक अंसारी ने बताया कि कई केंद्रों पर बिना डॉक्टर के अल्ट्रासाउंड जांच होने की शिकायत मिली है जिसकी जांच कराई जा रही है। बिना पंजीकरण अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालित नहीं होने दिया जाएगा। अगर शिकायत सही पाई गई तो सेंटर सील कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सीनियर महिला बास्केटबॉल ट्रायल स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। मेरठ में पांच से आठ अक्तूबर तक खेल निदेशालय के निर्देश पर प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता होना प्रस्तावित है। इस

प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय टीम का ट्रायल एक अक्तूबर व मंडलीय टीम का ट्रायल तीन अक्तूबर को शाम चार बजे स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा ने बताया कि इच्छुक खिलाड़ी ट्रायल में सभी दस्तावेजों के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं।

मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत जनपद शामली में जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली मिशन शक्ति फेज-5.0 के अन्तर्गत जनपद शामली में जिला पंचायत रिसोर्स सेन्टर में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मरक्षा के विषय में बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ श्री संदीप अग्रवाल जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के विषय में मिशन शक्ति के अन्तर्गत होने वाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी देकर किया। प्रशिक्षण में जवाहर नवोदय विद्यालय से श्री आशुतोष शर्मा द्वारा अपने विद्यालय की छात्राओं के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मरक्षा के तरीको को विधिवत रुप से करके दिखाया गया। प्रशिक्षण में श्री अश्वनी त्यागी जिला क्रीडा अधिकारी द्वारा आत्मरक्षा के विषय में बताया कि कैसे स्वयं सहायता समूह की महिलाए आत्मरक्षा के तरीके सीखकर अपने आप को सुरक्षित रख सकती हैं। प्रशिक्षण में श्री प्रेम चन्द उपायुक्त स्वत: रोजगार द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बताया कि आत्म रक्षा का महिलाओं को आना कितना आवश्यक हैं। श्री प्रेम चन्द उपायुक्त स्वत: रोजगार द्वारा बताया कि अकेली महिला कैसे आत्मरक्षा के गुण सीखकर अपने आप को सुरक्षित रख सकती हैं। कार्यक्रम में पुलिस विभाग से प्रभा पटेल जी डिप्टी.एस.पी. द्वारा महिलाओं को सुरक्षा के विभिन्न तरीके एवं हेल्पलाईन नम्बरों के विषय में जानकारी दी एवं बताया कि मिशन शक्ति 5.0 नारी सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए शारदीय नवरात्र में आयोजित किया गया हैं। श्री हामिद हुसैन जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बताया गया कि मिशन शक्ति-6.0 महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबना के लिए आयोजित कार्यक्रम हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री प्रेम चन्द उपायुक्त स्वत: रोजगार, श्री हामिद हुसैन एसडीएम न्यायिक, प्रभा पटेल डिप्टी. एस.पी., श्री अश्वनी त्यागी उप क्रीडा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री आशुतोष शर्मा सपोर्ट अधिकारी एवं श्री संदीप अग्रवाल जिला पंचायत राज अधिकारी शामली उपस्थित रहें।

जिला कारागार का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ प्रभारी जिला न्यायाधीश सतीश चन्द्र द्विवेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पारुल पंवार तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक खरे द्वारा आज जिला कारागार का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार परिसर का भ्रमण कर बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने रसोईघर, अस्पताल, वार्ड, परामर्श कक्ष एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा। जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि सभी बंदियों को मानकानुसार पौष्टिक भोजन, शुद्ध पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि कारागार केवल दंड का स्थल न होकर सुधार का केंद्र है, इसलिए बंदियों के मानसिक व सामाजिक पुनर्वास हेतु विशेष प्रयास किए जाएं। सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को सतर्कता और नियमित गश्त बनाए रखने के निर्देश दिए। वहीं, न्यायिक अधिकारियों ने विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित सुविधाओं की जानकारी दी और बंदियों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अधिकारियों ने जेल अधीक्षक नीरज देव एवं स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि इसी प्रकार मानक व्यवस्था बनाए रखें और समय-समय पर सुधारात्मक पहल करते रहें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र देव शर्मा, उप कारापाल आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क, पानी, बिजली और सीढ़ी तक नहीं... मूर्तियों का भी संरक्षण नदारद, फिर भी उमड़ा जनसैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर सूरजपुर जिले के चांदनी बिहरपुर का महुली में प्राचीन व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां गढ़वतिया देवी धाम नवरात्र पर्व पर आस्था का बड़ा केंद्र बना हुआ है। मंगलवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। माता के जयकारों से पूरा इलाका गुंजायमान हो उठा। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। पहाड़ पर चढ़ाई कर भक्तों ने माता के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। ,हर साल की तरह इस बार भी लगा भव्य मेला नवरात्र पर मंदिर परिसर और मेला स्थल में भीड़ उमड़ पड़ी। दुकानों की रौनक, झूले और धार्मिक माहौल ने वातावरण को और भव्य बना दिया। श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में पूजा-अर्चना के साथ-साथ मेले का आनंद लिया। सुविधाओं का अभाव और मूर्तियों का क्षरण गढ़वतिया धाम तक आज भी सड़क, पानी, बिजली और सीढ़ी जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। इसके बावजूद आस्था इतनी गहरी है कि श्रद्धालु कठिनाई झेलकर भी मां के दरबार पहुंच रहे हैं। इतना ही नहीं, मंदिर परिसर और पहाड़ों पर कई दर्जन प्राचीन पत्थर की मूर्तियां - जिनमें मां दुर्गा, भगवान गणेश सहित कई देवी-देवताओं की प्रतिमाएं शामिल हैं - बिखरी पड़ी हैं। संरक्षण के अभाव में ये मूर्तियां टूट-टूटकर नष्ट हो रही हैं। श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने इन मूर्तियों के संरक्षण की जोरदार मांग की है। ग्रामीणों व समिति पदाधिकारियों के बयान संतोष जायसवाल (समिति अध्यक्ष) - श्रद्धालुओं की संख्या हर साल बढ़ रही है। प्रशासन को तुरंत यहां सड़क, पानी, बिजली और सीढ़ी की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए और मूर्तियों का संरक्षण करना चाहिए। जगमोहन खोरवार (मंदिर के बैगा) - मां गढ़वतिया धाम हमारी आस्था का केंद्र है। पहाड़ पर देवी-देवताओं की प्राचीन प्रतिमाएं बिखरी पड़ी हैं, जिनका संरक्षण जरूरी है। रामधन खेरवार (बैगा) - श्रद्धालु कठिनाई झेलकर यहां आते हैं। लेकिन सुविधाओं और मूर्तियों की उपेक्षा चिंता का विषय है। रनसाय खेरवार (सरपंच, ग्राम पंचायत) - गढ़वतिया धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। यहां प्राचीन मूर्तियों का संरक्षण और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था जरूरी है। पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग ग्रामीणों का कहना है कि यदि गढ़वतिया धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए तो यह न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुविधा जनक होगा बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी संरक्षण हो सकेगा।

1008 विव्रत सागर जी मुनिराज का प्रवचन का मुख्य विषय इस बात पर केंद्रित है जहां पर जीव पाप से बचना चाहिए

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामलीआज दिगंबर जैन धर्मशाला में परम पूज्य वात्सल्य दिवाकर श्री 108 विव्रत सागर जी मुनिराज प्रवचन का मुख्य विषय इस बात पर केंद्रित है कि जहाँ हर जीव पाप से बचना चाहता है और पुण्य कमाना चाहता है, वहीं वास्तविक लक्ष्य %धर्मात्मा% बनना है। धर्म न पाप है और न पुण्य; धर्म आत्मा को धर्मात्मा बनाता है। यह पुण्य के अस्थायी फलों और धर्मात्मा बनने के स्थायी मूल्य के बीच अंतर करता है।कोई भी जीव पापी नहीं बनना चाहता, हर कोई पुण्य कमाना चाहता है। हालांकि, धर्म न तो पापी बनाता है और न ही केवल पुण्यात्मा। धर्म व्यक्ति को %धर्मात्मा% बनाता है। वंदन, पूजन, प्रवचन में आना, ध्यान करना आदि कर्म अक्सर पुण्य कमाने की भावना से किए जाते हैं। उनकी इच्छाएँ पूरी होती हैं (जैसे भोग भूमि में, जहाँ भोजन, पानी, घर आदि आसानी से मिल जाते हैं)। लेकिन ये भोग क्षणभंगुर होते हैं और अंतत: दु:ख का कारण बन सकते हैं (जैसे भोग भोगने के बाद पता चला कि जेल हो गया, नरक में चले गए)। पानी में असंख्य सूक्ष्म जीव होते हैं (वैज्ञानिकों के अनुसार 36,450, वीतराग के अनुसार असंख्यात)। इसलिए पानी को सही ढंग से छानना (दोहरे कपड़े से, जिससे सूर्य की किरणें आर-पार न हों) इन जीवों की रक्षा के लिए आवश्यक है। प्रवचन में वास्तु दोष दूर करने के लिए प्लास्टिक के पेड़ लगाने या ठीक से पानी न छानने जैसी औपचारिक और दिखावटी प्रथाओं की आलोचना की गई है। यह जोर दिया गया है कि ऐसी प्रथाएँ वास्तविक लाभ प्रदान नहीं करतीं, बल्कि दिखावा मात्र हैं। दान देने से पहले पात्र (प्राप्तकर्ता) का निर्धारण महत्वपूर्ण है।उत्तम पात्र= मुनिराज (जो स्वयं निर्दोष हैं और अपने लिए भोजन नहीं बनाते)। इन्हें दान देने से सर्वोत्तम फल (भोग भूमि) मिलता है। ध्यम पात्र= श्रावक (जो संयमित जीवन जीते हैं)। इन्हें दान देने से मध्यम फल मिलता है। घन्य पात्र= अविरत सम्यक दृष्टि (जो साधारण गृहस्थ हैं और धर्म का पालन करते हैं)। इन्हें दान देने से जघन्य फल मिलता है। संक्षेप में, यह प्रवचन केवल पुण्य कमाने के बजाय धर्मात्मा बनने, सूक्ष्म हिंसा से बचने के लिए दैनिक जीवन में सावधानी बरतने (जैसे पानी छानना) और सही पात्र को दान देकर अपने कर्मों को शुद्ध करने पर जोर देता है। आज का चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन अनिल जैन ममता जैन राजघराना परिवार पाद प्रक्षालन सम्यक जैन अरुण जैन द्वारा शास्त्र भेंट ममलेश जैन रेशु जैन द्वारा किया गया।

डीएम एसपी ने धनुताल मैदान का निरीक्षण किया, भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में सतर्कता बरते डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) आज मंगलवार को जिले के डीएम राजेश कुमार पांडेय और एसपी डा दुर्गेश कुमार ने आज कोंच के प्राचीन धनुताल मैदान का निरीक्षण किया डीएम और एसपी ने इस प्राचीन धनुताल के पूरे मैदान का गहन से निरीक्षण किया और उन्होंने निर्देश दिये की यहां पर दशहरा मेला को लेकर विशेष सतर्कता बरते साथ ही मेले में किसी प्रकार की कोई अव्यवस्था न रहे इसके लिये सभी जरूरी तैयारी पूरी की जाये उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि है मेला ग्राउंड में बढ़िया व्यवस्था की जावे किसी को आने जाने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए एसपी डा दुर्गेश कुमार ने कहा कि इस दशहरा मेला को लेकर चप्पे चप्पे पर पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से मौजूद रहेगी साथ ही पूरे मेला ग्राउंड पर ड्रोन कैमरे से मेला पर नजर रखी जावेगी उन्होंने कहा कि मेले में किसी को समस्या न आने पाए इसके लिये अधिकारियों को निर्देश दिये गये है इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता एसडीएम ज्योति सिंह पुलिस क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद कोतवाल अजीत कुमार सिंह राम लीला समिति के अध्यक्ष प्रथव मिश्रा एडवोकेट संयोजक उज्जवल तिवारी इलाके के सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा सभासद दंगल सिंह यादव सभासद विनोद सोनी सभासद माधव यादव सभासद देवेंद्र गुर्जर सुरई चौकी के प्रभारी सत्यपाल सिंह राम लीला समिति के संरक्षक केशव बबेले सफाई निरीक्षक सुनील कुमार राम राजा निरंजन शिवांग दुबे पालिका ठेकेदार राम जी गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे

लांजित क्षेत्र की सड़कें बनीं हादसे का जाल, गड्ढों और चिकनी मिट्टी से घंटों जाम में फंस रहे वाहन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ओडगी सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत लांजित शिवारीपारा की पक्की सड़क पूरी तरह बदहाल हो चुकी है। गड्ढों से भरी सड़क पर कांक्रिट की जगह रोड साइड की चिकनी मिट्टी डाल दी गई है, जिससे हालत और भी खराब हो गए हैं। वाहन फिसलकर धस रहे हैं और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चारों तरफ सड़क का बुरा हाल लांजित क्षेत्र की मुख्य सड़कें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं। लांजित-चिकनी मार्ग लांजित-पुतकी मार्ग लांजित मेन रोड से गर्दापारा मार्ग सभी सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं और जगह-जगह कीचड़ भर गया है। सड़क की इस स्थिति ने ग्रामीणों और वाहन चालकों का जीना मुहाल कर दिया है। यातायात बाधित, गाड़ियों की कतार खराब सड़क के चलते अक्सर यातायात बाधित हो जाता है। कई बार गाड़ियां गड्ढों में फंस जाती हैं, जिससे घंटों तक वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। स्कूली बच्चे, मरीज और ग्रामीण सबसे ज्यादा परेशान हैं। जनप्रतिनिधियों पर सवाल ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि भटगांव विधानसभा क्षेत्र, जो स्वयं मंत्री का गृह जिला है, वहां की सड़कों की यह स्थिति विकास पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि केवल आश्वासन देते हैं लेकिन धरातल पर सड़क सुधार का कोई काम नहीं हो रहा। ग्रामीणों का बयान पक्की सड़क नाम की रह गई है। गड्ढों में मिट्टी डालकर केवल खानापूर्ति की गई है, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। - ग्रामीण बारिश में सड़क दलदल बन जाती है। मरीज और स्कूली बच्चों को आने-जाने में घंटों की परेशानी होती है। - स्थानीय नागरिक

संक्षिप्त समाचार

मां शाकंभरी देवी अठठे मंदिर में मां दुर्गा अष्टमी के शुभ अवसर पर प्रसाद चढ़ाने के लिए भक्तों की उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली नवरात्रे दुर्गा अष्टमी के शुभ अवसर पर मां शाकुंभरी देवी आठठे वाले मंदिर में दुर्गा अष्टमी का प्रसाद चढ़ाने के लिए मंदिर में उमड़ी भीड़ मां शाकुंभरी देवी बड़ा बाजार ठाकुरद्वारा के पास मां शाकुंभरी देवी भवन मंदिर में सुंदर-सुंदर बजान ढोल नगाड़ों के साथ मंदिर की सुंदर सजावट आज सुबह 2ः00 बजे से मां दुर्गा अष्टमी के शुभ अवसर पर मां शाकुंभरी देवी भवन पर प्रसाद चढ़ाने के लिए भक्तों की भीड़ लग गई मंदिर में भक्तों की इतनी भीड़ थी कि मंदिर कमेटी द्वारा भक्त जनों के लिए लंबी लाइन लगाई गई भक्त जनों को प्रसाद चढ़ाने के लिए मां शाकुंभरी देवी दर्शन करना आसान हो जाए मां जगदंबा के दर्शन भक्त जनों को हो जाए इस दुर्गा अष्टमी के जो भक्तजन नवरात्रों के 8 दिन व्रत रहते हैं वह आज दुर्गा अष्टमी पर पूजन पाठ कर्म शाकुंभरी देवी का भोग लगाकर अपना विधि विधान के साथ पूजा पाठ और कन्या पूजन के साथ व्रत खोलते हैं और अपने व्रत को पूर्ण करते हैं और मां जगदंबा की पूजा अर्चना विधि विधान के साथ किया जाता है

कचहरी में हत्या: दुकान में प्रेमी खिंचवा रहा था फोटो, तभी दो युवकों ने चाकुओं से गोदा... चीखती रह गई प्रेमिका

प्रेमी युगल जब फोटो स्टूडियो में मौजूद था, तभी एक बाइक पर तीन युवक आए। इनमें से एक बाहर बाइक पर बैठा रहा, जबकि दो अन्य स्टूडियो में घुस गए और युवक पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर दिए।यूपी के बुलंदशहर जिले के कचहरी परिसर में मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे गेट नंबर चार के पास स्थित वर्मा फोटो स्टूडियो में फोटो खिंचवा रहे एक युवक की दिनदहाड़े चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नाहिफ अंसारी पुत्र आसिफ, निवासी मदीना मस्जिद के पास, वाटर बॉक्स, नगर कोतवाली क्षेत्र के रूप में हुई है। युवक दो दिन पूर्व तस्मिया पुत्री हनीफ, निवासी नरसलघाट के साथ घर से भाग गया था। सोमवार को दोनों कचहरी में फोटो खिंचवाने आए थे, बताया गया कि दोनों कोर्ट मैरिज करने जा रहे थे, तभी यह वारदात हुई।प्रेमी युगल जब फोटो स्टूडियो में मौजूद था, तभी एक बाइक पर तीन युवक आए। इनमें से एक बाहर बाइक पर बैठा रहा, जबकि दो अन्य स्टूडियो में घुस गए और नाहिफ पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमलावर हत्या के बाद भागते समय एक चाकू कचहरी के गेट नंबर चार के पास और दूसरा ग्लोबल हॉस्पिटल के पास फेंककर फरार हो गए।

स्तन कैंसर का इलाज होगा आसान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ने खोजा नया वायरस

स्तन कैंसर में एमयूपीपी-1 जीन की खोज की गई है। साथ ही मशीन लर्निंग आधारित मॉडल भी विकसित किए गए। इसकी मदद से कैंसर कोशिकाओं के छिपे हुए तरीके और कैंसर के फैलाव की प्रक्रिया को और गहराई से समझा जा सकाअलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में स्तन कैंसर के नए वायरस (एमयूपीपी-1 जीन) की खोज की गई है। इससे स्तन कैंसर पीड़ित महिला का इलाज करने में आसानी होगी। पहले वायरस का पता लगाने में समय बर्बाद हो जाता था। शोधार्थी गजाला सुल्तान के अध्ययन में नए वायरस सामने आए, जो अब तक रिपोर्ट नहीं किए गए थे। एएमयू के कंप्यूटर साइंस विभाग की शोधार्थी गजाला सुल्तान ने तीन साल तक 100-100 स्तन कैंसर रोगियों और स्वस्थ महिलाओं के नमूनों का बल्क आरएनए-सीक्वेंसिंग, सिंगल-सेल आरएनए-सीक्वेंसिंग, माइक्रोरी और एक्सोम सीक्वेंसिंग तकनीक का उपयोग कर स्तन कैंसर रोगियों और स्वस्थ नमूनों का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने नेक्स्ट-जनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) तकनीक से कैंसर कोशिकाओं की जटिल संरचना और विविधता का पता लगाया। यह तकनीक कैंसर जीनोम की गहराई से पड़ताल करने में सक्षम है।स्तन कैंसर में नए एमयूपीपी-1 जीन की खोज की गई है। साथ ही मशीन लर्निंग आधारित मॉडल भी विकसित किए गए। इसकी मदद से कैंसर कोशिकाओं के छिपे हुए तरीके और कैंसर के फैलाव की प्रक्रिया को और गहराई से समझा जा सका। इससे कैंसर के इलाज के लिए संभावित ड्राइवर जीन की पहचान आसान हो सकती है। - प्रो. स्वालेहा जुबैर, कंप्यूटर साइंस

बरेली घटना को लेकर जमुनहा में नारे व बैनर, युवा मोर्चा ने जताया विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। बरेली में हाल ही में हुई घटना को लेकर जमुनहा क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप विभिन्न स्थानों पर बैनर और पोस्टर लगाकर जनजागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हरिओम तिवारी एवं जिला मंत्री आयुष प्रताप सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि घटना निंदनीय है और युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह के बैनर और अभियान समय-समय पर किए जाते रहेंगे। युवा मोर्चा ने लोगों से अपील की कि किसी भी असामाजिक घटना के खिलाफ सदैव आवाज उठाएं और कानून व्यवस्था का समर्थन करें। बैनर लगाने के दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं ने मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक पैमाने पर संदेश फैलाया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसी घटनाओं के प्रति सजग रहना और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाना आवश्यक है। इस अवसर पर अन्य स्थानीय कार्यकर्ता भी मौजूद रहे और अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई।

हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा में सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता वाहिनी कमान्डेंट श्री अमरेन्द्र कुमार वरुण ने की। अपने उद्बोधन में कमान्डेंट ने कार्यालयिक कार्यों को शत-प्रतिशत राजभाषा हिन्दी में संपादित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। साथ ही उन्होंने हिन्दी भाषी कार्मिकों को हिन्दी भाषा सीखने और कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया। आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं (निबंध लेखन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी आदि) का आयोजन किया गया था। समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए तथा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कर्मियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में कमान्डेंट ने सभी कार्मिकों को हिन्दी भाषा के विकास एवं प्रोत्साहन हेतु हार्दिक बधाई और धन्यवाद दिया। इस मौके पर पीयूष सिन्हा, उप कमांडेंट, सोनू कुमार उप कमांडेंट के वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित रहे ।

सात अक्तूबर से जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता गुरु गोबिंद सिंह इंटर कॉलेज में

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता की जिम्मेदारी इस बार गुरु गोबिंद सिंह इंटर कॉलेज को जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार ने सौंपी है। प्रतियोगिता का आयोजन सात से नौ अक्तूबर तक स्पोर्ट्स स्टेडियम में होना है। प्रतियोगिता में पांच सौ से अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। गुरु गोबिंद सिंह इंटर कॉलेज के खेल प्रशिक्षक आदेश यादव ने बताया कि एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों को अंडर-14,17 और अंडर-19 आयु वर्ग में प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। विजेता खिलाड़ियों को पदक व पुरस्कार दिए जाएंगे। जनपदीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से खिलाड़ी बदायूं में 17 रे 19 अक्तूबर तक होने वाली मंडलीय प्रतियोगिता के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेंगे।

आंगनबाड़ी केंद्र न खुलने से हो गया बदहाल

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती विकास खण्ड जमुनहा अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरनिया के मजरा लम्बुइया गांव के बाहर बना आंगनबाड़ी केंद्र अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जब से आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण हुआ है तब से केंद्र का संचालन नहीं हो रहा है। और बच्चों को मिलने वाला बाल विकास विभाग से पुष्टाहार नहीं मिल पा रहा है। तथा गांव के किशोरी, गृभवती महिलाओं को लाभ आंगनबाड़ी कार्यकत्री के माध्यम से नहीं मिल पा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा न तो केंद्र का संचालन ही किया जा रहा है न ही बाल पुष्टाहार ही वितरण किया जा रहा है। सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को क,ख,ग सिखाने के लिए एलसीडी टीवी व स्वच्छ पेयजल के लिए समर सेबूल नल लगवाया गया था। किन्तु सभी? सामान आंगनबाड़ी कार्यकत्री के घर में लगा हुआ है और चल रहा है। जबकि पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य मुनीर अहमद ने बताया कि हर वक्त आंगनबाड़ी केंद्र लम्बुइया में ताला लगा रहता है घास फूस झाड़ियों में तब्दील हो गया है। वहीं इस केंद्र पर पहुंचने के रास्ता भी नहीं है। इससे प्रतीत होता है कि बाल विकास परियोजना कार्यालय जमुनहा के अधिकारी व कर्मचारी के संलिप्तता एवं लापरवाही के कारण केंद्र संचालन को लेकर नजर अंदाज किया जा रहा है।

नवरात्रि पर गूंजा गढ़वतिया धाम 121मीटर चुनरी से सजी मां अष्टभुजी गुफा

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर / नवरात्रि की सप्तमी तिथि पर श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा मकरी कुटिया के तत्वावधान में ग्राम महुली स्थित ऊँचे पहाड़ की प्राचीन गुफा में विराजमान मां महिषासुर मर्दिनी अष्टभुजी गढ़वतिया देवी के धाम में ऐतिहासिक चुनरी रैली और भव्य धार्मिक आयोजन हुआ। परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु राम जी, पूज्यपाद बाबा गुरुपद संभव राम जी की कृपा तथा पूज्य बिहारीराम बाबा के मार्गदर्शन में भक्तों ने मां के दरबार से चुनरी रैली निकाल कर 121 मीटर लंबी चुनरी माता रानी को अर्पित की। ऊँचे पहाड़ पर चढ़ते समय मां के जयकारों से पूरा जंगल और घाटी भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। भक्तों ने मां के दरबार में दीप प्रज्वलन, पूजा-अर्चना, वस्त्र अर्पण और भव्य आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर चारों ओर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने केला और बूंदी का महाप्रसाद ग्रहण किया। बाजा-गाजे के साथ युवाओं की टोली मां की भक्ति में झूमते हुए नजर आई। नवरात्रि के शुभ अवसर पर श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा मकरी कुटिया द्वारा माता रानी के धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पूरे 9 दिनों तक केला एवं बूंदी का प्रसाद वितरण किया जा रहा है। समूह के सदस्य ईआर लक्ष्मण जायसवाल ने बताया कि जय मां गुरू की कृपा से चुनरी रैली में क्षेत्र के सैकड़ों युवा साथियों ने भाग लिया। यह हमारे लिए बड़े गौरव की बात है। मां गुरु सभी को सत्य मार्ग प्रदान करें। इस भव्य आयोजन में विशेष रूप से उपस्थित रहे - बिहारी लाल जायसवाल, लक्ष्मण जायसवाल, राजेश कुमार जायसवाल, विवेक जायसवाल, शिशुपाल जायसवाल, पूनम चंद गोयल, सतीश जायसवाल, विजेंद्र जायसवाल, अनूप जायसवाल, सत्येंद्र यादव, बालक जायसवाल, ठाकुर यादव, राम भवन जायसवाल, पंकज जायसवाल, आकांक्ष जायसवाल, मनोज जायसवाल, किट्टू जायसवाल, अमित जायसवाल, अरविंद जायसवाल, सुरेश गुप्ता, अनुज प्रताप सिंह, ब्रिजेश देवांगन, गुरदेव सिंह, हरीभजन सिंह, लालचंद साहू, संजय साहू, अनिल यादव, अजय देवगन एवं अन्य सैकड़ों युवा साथी। मां अष्टभुजी गढ़वतिया देवी के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। नवरात्रि पर्व पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने पूरे इलाके को भक्ति के रंग में रंग दिया।

गुरुघासीदास टाईगर रिजर्व सीमांकन पर बवाल, तीन पंचायतों के आदिवासी ग्रामीणों ने उठाई बड़ी आवाज

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर / आस्था और खेती-किसानी पर संकट, क्षेत्र को टाईगर रिजर्व से हटाकर फिर से राजस्व विभाग में जोड़ा जाए - ग्रामीण सूरजपुर जिले के दूरस्थ अंचल बाहुल्य आदिवासी क्षेत्र में गुरुघासीदास राष्ट्रीय उद्यान एवं टाईगर रिजर्व का सीमांकन बढ़ाए जाने से आदिवासी ग्रामीणों में गहरा असंतोष है। ओड़गी जनपद पचायत के ग्राम पंचायत पालकेंवरा, बड़वार एवं छतरंग के ग्रामीणों ने रविवार को सामूहिक बैठक कर विरोध दर्ज कराया और क्षेत्र को पुन: राजस्व विभाग में शामिल किए जाने की मांग रखी। ग्रामीणों ने कहा कि पुराना बड़वार स्थित देवगुड़ी देवला स्थल उनकी आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां 1930-32 से लगातार बैगा और ग्रामवासी पूजा-पाठ करते आ रहे हैं। आजादी से पहले से ही ये गांव बसे हुए हैं और यहां के किसान पीढ़ियों से खेती-किसानी करते चले आ रहे हैं। इस क्षेत्र का पुराना सेटलमेंट भी राजस्व विभाग में दर्ज है। ऐसे में अचानक इसे टाईगर रिजर्व में जोड़ना परंपरा और आजीविका पर कुठाराघात है। ग्रामीणों के बयान- राजकुमारी जगप्रता (सरपंच, बड़वार) - हमारे पूर्वजों की देवगुड़ी देवला हमारी पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे टाईगर रिजर्व में शामिल करना हमारी परंपरा को मिटाने जैसा है। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं। मुकदेव (सरपंच, पालकेंवरा) - गांव के लोग पीढ़ियों से खेती-किसानी कर रहे हैं। सीमांकन बदलकर टाईगर रिजर्व में शामिल करना किसानों की रोजी-रोटी छीनना है। सरकार को तुरंत इसे वापस लेना चाहिए। शिवकुमार बैगा (ग्रामीण) - हमारे पास पुराने सेटलमेंट के कागजात हैं। राजस्व विभाग से दर्ज क्षेत्र को टाईगर रिजर्व में जोड़ना पूरी तरह अन्याय है। हम अपनी जमीन और हक के लिए लड़ेंगे। प्रशासन से जवाब की मांग- ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से स्पष्ट कहा है कि इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर क्षेत्र को फिर से राजस्व विभाग में शामिल किया जाए। यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। ग्राम पंचायतों की इस एकजुटता से अब मामला और गंभीर हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपनी आस्था और खेती-किसानी को बचाने के लिए हर स्तर पर आवाज उठाएंगे।।

संक्षिप्त समाचार

कुंडवसानी कुडारी की अद्भुत महिमा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अनुपम कुमार द्विवेदी, चितरंगी कुंडवसानी कुडारी धाम के दर्शन करने का सौभाग्य यह धाम प्राचीन काल से श्रद्धा और आस्था का प्रतीक माना जाता है। यह पवित्र स्थान न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊर्जा का भी अद्वितीय संगम है। आस्था का केंद्र स्थानीय परंपराओं के अनुसार, कुंडवसानी कुडारी में स्नान और दर्शन करने से मनुष्य के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। भक्तों का विश्वास है कि यहां आने से आत्मा शुद्ध और मन शांत होता है। भक्तों की भीड़ विशेष पर्व और अवसरों पर यहां हजारों श्रद्धालु पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। भजन-कीर्तन की गूंज और धार्मिक आयोजन पूरे क्षेत्र को भक्ति भावना से ओतप्रोत कर देते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य का संगम कुडारी धाम हरियाली, झरनों की कलकल ध्वनि और शांत वातावरण से मन मोह लेता है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु भक्ति के साथ-साथ प्रकृति की गोद में सुकून का अनुभव करता है। सांस्कृतिक धरोहर , जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि कुंडवसानी कुडारी क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर है। इसे संरक्षित और विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि भावी पीढ़ियां भी इसकी महिमा का लाभ उठा सकें।

गर्म दूध गिरने से बालिका झुलसी, अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती मल्हीपुर थाना क्षेत्र के कानीबोझी गांव निवासी शरीफन (5) पुत्री शहरेयार घर में खेल रही थी। इस दौरान चूल्हे पर उबल रहा दूध बर्तन से उसके ऊपर गिर गया। इससे बालिका गंभीररूप से झुलस गई। बालिका के चीखने पर पहुंचे परिजनों की ओर से आनन फानन में बालिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार चल रहा है।

बैंक अधिकारियों की मनमानी से परेशान ग्रामीण, समय से पहले गेट बंद कर हितग्राहियों को लौटाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ बुजुर्ग महिला से लेकर किसानों तक को करना पड़ा घंटों इंतज़ार, पंचनामा बनाकर कार्रवाई की मांग सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी बिहरपुर अंचल में स्थित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक बिहरपुर शाखा में सोमवार को बड़ी लापरवाही सामने आई। ग्रामीणों का आरोप है कि बैंक अधिकारियों की मनमानी के चलते शाम 4 बजे से पहले ही बैंक का शटर गिरा दिया गया, जबकि बड़ी संख्या में हितग्राही अपने कार्य लेकर बैंक पहुंचे थे। बैंक के अचानक बंद हो जाने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बुजुर्ग महिलाएं, किसान और हितग्राही बैंक गेट के बाहर खड़े रहे, लेकिन दरवाजा नहीं खोला गया। कई लोग पासबुक अपडेट, पेंशन राशि, मजदूरी भुगतान और अन्य जरूरी कार्य के लिए आए थे, मगर उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। ग्रामीणों ने किया पंचनामा, सोशल मीडिया में वायरल मामले से नाराज ग्रामीणों ने मौके पर ही पंचनामा तैयार किया, जिसमें कई गवाहों के हस्ताक्षर भी दर्ज हैं। यह पंचनामा अब सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है और लोग बैंक अधिकारियों की मनमानी पर कड़ी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप ,गांव के गवाह - हम सभी हितग्राही बैंक समय पर पहुंचे थे, लेकिन अधिकारियों ने गेट बंद कर दिया। यह पूरी तरह से मनमानी है卐 बुजुर्ग महिला हितग्राही - मैं घंटों गेट के बाहर बैठी रही, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। यह हमारे साथ अन्याय है卐 प्रशासन से जांच की मांग ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बैंक अधिकारियों के खिलाफ तत्काल जांच की जाए एवं जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई हो। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Insults aren't just about shouting, but they can also be expressed in many other ways. These 7 mistakes will ruin a relationship.

People often believe that speaking loudly or raising their hands is disrespectful. But that's not true. Sometimes, even small things (Signs of Disrespect) can cause deep disrespect. Let's learn about 7 such things that can be deeply disrespectful to someone. Besides speaking loudly, many other things can be disrespectful. Insulting someone undermines their self-confidence. When communicating, be careful not to insult someone. People often assume that disrespect only occurs when someone scolds or yells loudly. But the truth is that disrespect can be expressed in many other ways (Signs of Disrespect), sometimes intentionally, sometimes unintentionally. Such behaviors undermine relationships and deeply damage the other person's self-esteem. Let's explore seven common behaviors that are disrespectful, even without verbal abuse or yelling. Digital multitasking - Chatting on your mobile phone or typing emails during a conversation signals to the other person that they're not important to you. This behavior may seem common, but it's deeply insulting and creates distance in relationships. Wasting others' time - Arriving late after making an appointment or keeping them waiting for long periods is not only careless but also disrespectful. Punctuality not only builds trust but also strengthens your credibility. Ignoring someone - In the age of social media, it's increasingly common to stay connected with someone and then suddenly ignore them. Not responding to messages and calls without explanation is disrespectful. Honest communication is essential for strong relationships. Giving half-hearted praise - Sometimes, even subtle criticism disguised as praise can become an insult. For example, "Promotion in such a short time? That's amazing." This may sound like a compliment, but it's actually a way of belittling. True praise should always be clear and from the heart. Not understanding emotions - Every person expresses their emotions differently. Dismissing someone's sadness or fear by saying, "What's there to worry about?" is dismissive of their feelings. This behavior makes the other person feel insulted. Underestimating achievements - Taking someone's success lightly is also a form of insult. For example, "The paper must have been easy, that's why you got full marks." This comment diminishes the other person's hard work. Expressing genuine happiness builds a positive image. Interrupting others - Interrupting someone while they're speaking or ignoring their opinion shows that you don't care about them. This not only offends the other person, but also creates an impression of you as arrogant and insensitive.

How to spend the first 90 days after a heart attack? Doctors offer a roadmap for complete recovery

Every year, September 29th is celebrated as World Heart Day. A heart attack profoundly impacts not only the body but also the mind and psyche. Therefore, doctors believe that the first 90 days after a heart attack are crucial. September 29th is celebrated annually as World Heart Day. The first 90 days after a heart attack determine a significant portion of your health. If spent properly, this time can reduce the risk of heart disease. Celebrated every year on September 29th, the day aims to raise awareness about heart health. A heart attack is a medical emergency, and recovery after it is crucial. People often assume that once discharged from the hospital, everything is fine, but the real journey begins after that. Yes, the first 90 days, or three months, after a heart attack determine the roadmap for your complete recovery. Let's learn some important things about this from Dr. Mukesh Goyal (Senior Consultant, Cardiothoracic and Cardiovascular Surgery, Heart and Lung Transplant Surgery, Indraprastha Apollo Hospitals). Why are the first 90 days important? After a heart attack, people often think everything is fine as soon as they are discharged from the hospital, but the truth is that the first three months are called the "golden window of recovery." During this time, the body heals, the heart muscle strengthens, and the risk of a second attack is highest. Research shows that if proper rehabilitation and lifestyle are adopted during this time, the risk of a second heart attack can be reduced by approximately 25–30%. Regular checkups are essential: Regular follow-up with your doctor immediately after returning home from the hospital is crucial. It is very important to check your blood pressure, sugar, cholesterol, and heart rate on time. Additionally, medications such as blood thinners, beta-blockers, or statins should never be missed. Many times, people arbitrarily stop taking medication, which increases the risk of serious complications. Blood pressure and sugar levels should be monitored and recorded at home. This practice not only helps the doctor but also gives the patient a sense of control over their health. Cardiac Rehabilitation - Cardiac rehabilitation plays a key role in recovery after a heart attack. It is a program that includes exercise, diet, and counseling under the supervision of a doctor. It typically lasts 12 weeks and teaches the patient how to exercise safely, manage stress, and adopt a healthy diet. Patients who have undergone rehab experience improved quality of life and are able to return to work sooner. Unfortunately, awareness and knowledge about this is still low in India. Therefore, families and patients should take the initiative to seek medical advice. Proper Diet - Heart health is deeply linked to diet. Doctors often recommend the Mediterranean diet or the DASH diet, which includes fresh vegetables and fruits, whole grains, pulses, fish, and nuts. It's also important to avoid salt, sugar, and ultra-processed foods. Eating regularly, eating small portions, and avoiding overeating speed up heart recovery. Returning to exercise - Many people shy away from exercise after a heart attack out of fear, but light activities, as advised by doctors, strengthen the heart. You can start with short walks or climbing stairs. Gradually, as your body's capacity increases, you can increase your exercise. The key is to listen to your body; if you experience chest pain, dizziness, or unusual fatigue, stop immediately. Mental and emotional health - A heart attack can impact not only the body but also the mind. Fear, anxiety, and depression are common during this time, but if ignored, recovery can be slowed. Counseling, support groups, or techniques like meditation and yoga help maintain mental balance. Family members should also avoid imposing excessive restrictions on the patient, but instead encourage and encourage them with confidence. Lifestyle Changes - These initial months are a great time to improve lifestyle. Quitting smoking and alcohol, getting adequate sleep, managing stress, and paying attention to weight are crucial. Working people can gradually return to the office, but initially, it's better to adopt lighter tasks and less stressful responsibilities. Family Role - Recovery after a heart attack isn't a one-on-one experience. Family and caregivers play a crucial role. Ensuring the patient receives medication on time, taking them to the doctor, and sharing walks or healthy meals together gives them confidence. After 90 Days - Remember, completing three months is not the end of recovery, but a new beginning. If patients practice regular medication, a healthy diet, exercise, and stress management during this time, their future life can be better and longer.

The first signs of high blood pressure are visible in the eyes; not paying attention in time can lead to vision loss.

World Retina Day (World Retina Day 2025) is celebrated every year on September 28th. We often associate eye health with a limited number of things, but did you know that high blood pressure can also harm the eyes? Let's learn from a doctor how high blood pressure can harm the eyes. High blood pressure can also harm the eyes. Long-term high blood pressure can cause retinal damage. This can lead to complete loss of vision. High blood pressure is often called the "silent killer" because its symptoms are not obvious in the beginning. But surprisingly, one of the organs in our body that begins to show signs of high blood pressure (High Blood Pressure Signs in Eyes) is our eyes. Changes in the retina of the eyes not only indicate high blood pressure, but also reveal the severity of the problem and the extent of damage to other organs. Let's learn more about this from Dr. Pawan Gupta (Senior Cataract and Retina Surgeon, Eye7 Hospital, Lajpat Nagar and Vision Eye Clinic, New Delhi). Why are the eyes so sensitive? The main reason for this is the unique structure of the eye. The eye is the only organ in our body where we can directly see the blood vessels without any surgery. The tiny blood vessels of the retina are very sensitive and even minor fluctuations in blood pressure have a direct impact on them. When blood pressure remains consistently high, these small vessels become stiff and narrow, which can affect eyesight. What harm can high blood pressure cause to the eyes? Long-term high blood pressure can cause serious damage to the retina, a condition known as hypertensive retinopathy in medical terms. Arterial hardening - The retinal arteries first begin to harden and thicken. Silver wiring - Over time, the lining of these hardened arteries develops a shiny, silvery appearance, known as "silver wiring." Arteriovenous nicking - The hardened and thickened arteries begin to press on veins where they cross. This obstructs blood flow in the veins. This condition is called AV nicking. When hypertension becomes severe or persists for a long time, it can pose a serious threat to vision. Retinal vein occlusion - When thickened arteries exert so much pressure on veins that blood flow in them stops completely. If a retinal vein becomes obstructed, it is called branch retinal vein occlusion (BRVO). This can cause hemorrhage and swelling in the affected area, leading to sudden blurred vision or vision loss. Retinal Artery Occlusion - Sometimes the main artery of the retina becomes blocked, which is called Central Retinal Artery Occlusion (CRAO). This is a medical emergency that can cause sudden and almost complete vision loss. Malignant Hypertension - This condition occurs when blood pressure rises too high (e.g., beyond 200 mmHg). It causes severe swelling of the retina, swelling of the optic nerve, and the appearance of "cotton wool spots." Swelling and Fluid Leakage - High blood pressure damages the delicate blood vessels in the retina, causing them to leak fluid and blood. This leads to retinal swelling. These visible signs in the eyes serve as a warning sign. They indicate that high blood pressure is not limited to heart disease or kidney problems; it has also put your eyes at risk.

"My heart is trembling..." Kamal Haasan's reaction to the death of 39 people at Thalapathy Vijay's rally

Yesterday, a stampede broke out at South superstar Thalapathy Vijay's rally in Tamil Nadu, leaving several people dead and many injured. Actor Kamal Haasan has now reacted to the incident. Find out what the actor had to say. Stampede at actor Vijay's rally in Tamil Nadu: 39 people died in stampede at Vijay's rally. Actor Vijay is the president of Tamilaga Vettri Kazhagam. Joseph Vijay Chandrasekhar, known in Tamil cinema as Thalapathy Vijay, has now entered the world of politics in addition to acting. He formed his political party, Tamilaga Vettri Kazhagam, last year, and serves as its president. Vijay is a superstar of Tamil cinema. Just as people wait for his films, people are just as crazy for his rallies. Recently, the actor held a rally in Karur, Tamil Nadu, where a stampede broke out, resulting in the deaths of approximately 39 people. It is reported that many people are still seriously injured. Kamal Haasan's heartbreak over the stampede: Kamal Haasan has now given his first reaction to the incident at Thalapathy Vijay's rally, expressing his condolences to the victims. Posting in Tamil on the social media platform X, Kamal Haasan wrote, "My heart is breaking. I am deeply saddened and shocked to hear the news coming from Karur. I express my deepest condolences to the families of the innocent people who lost their lives while trapped in the crowd, but I have no words to express my grief." Kamal Haasan made this request to the government: In his tweet, Kamal Haasan further requested the government to ensure proper treatment for the injured. He said, "I urge the Tamil Nadu government to ensure that those rescued from the crowd receive proper treatment and provide adequate relief to those affected." Before Kamal Haasan, Thalapathy Vijay himself also reacted to the incident. He said that he was heartbroken by the incident. He was so saddened that he could not even express it.

After Akshay Kumar, Arshad will now be seen in a thriller with the Panchayat Secretary. The film's first look is out.

Bhagwat Chapter 1: After Jolly LLB 3, Arshad Warsi will be seen in a suspense thriller. Interestingly, he will be seen alongside the Panchayat Secretary, Jitendra Kumar. The first look of this ZEE5 original mystery thriller has been revealed, and both actors are seen in quite intense looks. Bhagwat Chapter 1: Rakshasa First Look Out Arshad Warsi and Jitendra Kumar will be seen together - Release date: Arshad Warsi, who made audiences laugh in theaters with Akshay Kumar in Jolly LLB 3, will now be seen in an intense role. The first look of ZEE5's original film, Bhagwat Chapter 1, has been revealed. It also stars Arshad Warsi as Jeetu Bhaiya, Jitendra Kumar. This is the first time the two actors will be seen together in a film. The first look of Bhagavat is out - Arshad Warsi is wearing a police officer's uniform, his mirror-like sunglasses reflecting the bustling city below. The image is juxtaposed with Jitendra Kumar's face. Both are seen sporting intense looks. Several photographs of young women pasted on the wall serve as the film's backdrop, suggesting either a disappearance or a series of murders. When will Bhagavat release? Directed by Akshay Shere, Chapter One: Rakshasa seems to suggest the film could be the beginning of a long-running franchise centered on a villain or a series of mysterious events. On Friday, ZEE5 announced its upcoming original film, Bhagavat, on social media. It shared the film's first look poster on Instagram with the caption, "And we thought we'd exhausted all the plot twists of 2025, but the biggest twist of all has arrived. Bhagavat is coming to blow your mind. Inspired by true events. Bhagavat is coming soon, only on ZEE5." Starring Arshad Warsi and Jitendra Kumar, 'Bhagwat' is based on Inspector Vishwas Bhagwat (Warsi) who investigates a missing woman case that initially seems normal but gradually turns quite complicated.

Madhuri Dixit was secretly dating this cricketer, but one mistake ruined her career.

Bollywood and cricket have a long-standing relationship. Madhuri Dixit and Ajay Jadeja's affair was widely discussed in the 90s. They met during a photoshoot. Ajay, besides being a cricketer, also belonged to a royal family. Madhuri was a top Bollywood actress at the time. Ajay's career came to a halt after his name surfaced in match-fixing. Which cricketer was Madhuri dating? The actress wanted him to enter films, but she never revealed the relationship. Bollywood and cricket have had an unbreakable bond for decades. The glamour of films and the thrill of cricket have often been intertwined, giving rise to many iconic love stories that captured the nation's imagination. From advertisements to film offers, cricketers who achieved stardom often found themselves drawn to the world of cinema. Ajay was in a relationship with Madhuri Dixit. During this time, romances often sparked between leading Bollywood actresses and cricketing heroes. One such romance that made headlines in the 1990s was that between Bollywood's Dhak-Dhak girl Madhuri Dixit and stylish Indian cricketer Ajay Jadeja. How did they meet? The story began when both stars were at the peak of their careers. Madhuri was the reigning queen of Bollywood, having delivered two consecutive blockbuster films, while Ajay was one of India's most popular cricketers. It is said that the two met during a photoshoot, and their chemistry was unmatched. At the time, Ajay was exploring his film career, and rumors circulated that Madhuri was ready to welcome him into the industry. Their growing closeness soon became a topic of discussion. Ajay was a well-known star cricketer. Ajay Jadeja wasn't just a sports star; He belonged to the royal family of Nawanagar, Gujarat. His lineage traced back to the famous cricketer Duleep Singhji, after whom the Duleep Trophy is named. With his charm, elegance, and fearless playing style, Ajay became one of the most recognizable faces of Indian cricket in the 1990s. Fans loved his agile fielding and stylish batting. His performance against Pakistan in the 1996 World Cup quarterfinals was particularly praised. Ajay's name was implicated in match-fixing - Madhuri Dixit was the OG queen of Bollywood and had garnered acclaim for her stellar performances in films like Tezaab, Hum Aapke Hain Koun, Khalnayak, and Dil To Pagal Hai. Although Madhuri and Ajay's relationship made headlines, it didn't have a happy ending. At the peak of his career, Ajay's life was turned upside down when he was linked with Mohammad Azharuddin in the infamous match-fixing scandal. This controversy not only cost him his place in the national team, but also cast a shadow over his personal life. He was banned for five years, which was eventually lifted by the Delhi High Court in 2003, but the damage was done. By then, his romance with Madhuri had quietly faded into history. Ajay eventually focused his attention on commentary, television reality shows, and even gave up acting in Bollywood films.